हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 159 | प्रयागराज, मंगलवार 20 सितम्बर , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 3 रुपया

सपा का पैदल मार्च फेल, राजभवन के पहले बैरिकेटिंग कर पुलिस ने रोका, धरने के बाद विधायकों संग वापस लौटे अखिलेश

लखनऊ। महँगाई और बेरोजगारी सहित अन्य मुद्दों पर सोमवार को विधानसभा तक पैदल मार्च कर रहे समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित पार्टी के सभी विधायकों को पुलिस सुरक्षा कारणों से राजभवन से पहले रोक दिया। जिससे नाराज सपा अध्यक्ष धरने पर बैठ गए। वहीं पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद अखिलेश सपा विधायकों के साथ वापस लौट गए। सोमवार से शुरू हो रहे विधान सभा के मानसून सत्र में हिस्सा लेने के लिए सपा विधायक अखिलेश की अगुवाई में पैदल मार्च करते हुए विधान भवन जा रहे थे। थोड़ा आगे बढ़ने के बाद पुलिस ने बैरिकेट लगाकर अखिलेश और अन्य सपा विधायकों को राजभवन से पहले रोक दिया। सपा विधायक हाथों में तख्ती लेकर विरोध जताते हुए आगे बढ़ रहे थे। सपा कार्यालय से कुछ दूर आगे बढ़ने पर ही उन्हें रोकि दिया गया। पुलिस अधिकारियो ने उन्हें पैदल मार्च करने से मना किया। पुलिस द्वारा आगे नहीं बढ़ने देने पर अखिलेश सहित सभी सपा विधायक सड़क पर ही धरने पर बैठ गए। पुलिस उन्हें मनाने की कोशिश कर रही है। वहीं पुलिस द्वारा रोके जाने के बाद अखिलेश अपने सभी विधायकों के साथ वापस लौट गए। जॉइंट कमिश्नर (कानून व्यवस्था) पीयूष मोर्डिया ने कहा कि सपा की तरफ से किसी तरह की इजाजत नहीं ली गई थी। हालांकि उन्हें एक दूसरे रास्ते से जाने को कहा गया था, जिससे ट्रैफिक पर असर नहीं पड़ता। लेकिन उन्होंने दूसरे रूट का सुझाव नहीं माना। हमारे पास उन्हें रोकने के अलावा कोई रास्ता नहीं है। गौरतलब है कि रविवार को विधान सभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक में सभी दलो से सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने में मदद की अपील की गई थी। सत्तारूढ़ भाजपा के सहयोगी दलों की बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकार के मंत्रियों से विपक्ष के हर मुद्दे का तार्किक उत्तर देने की तैयारी करके सदन में आने को कहा था। उन्होंने पहले ही आगाह किया की विपक्ष मुद्दाविहीन है इसलिए सदन में शोरशराबा कर व्यवधान डालने की कोशिश की जा सकती है।

बीजेपी पर बिफरीं मायावती, कहा, प्रतिपक्ष को बेरोजगार कहना इनकी अहंकारी सोच को उजागर करता है

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की विधानसभा का मानसून सत्र सोमवार से शुरू हो गया है। सदन की कार्यवाही से पहले ही विपक्ष ने सरकार को घेरने का काम शुरू कर दिया है। एक तरफ जहां सपा ने कई मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ पैदल मार्च निकाला, वहीं दूसरी तरफ ट्वीटर के माध्यम से बसपा सुप्रीमो मायावती ने सरकार पर निशाना साधा है। मायावती ने ट्वीट कर लिखा कि यूपी विधानसभा मानसून सत्र से पहले भाजपा का दावा कि प्रतिपक्ष यहां बेरोजगार है, यह इनकी अहंकारी सोच व गैर–जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करता है। सरकार की सोच जनहित व जनकल्याण के प्रति ईमानदारी एवं वफादारी साबित करने की होनी चाहिए, न कि प्रतिपक्ष के विरुद्ध द्वेषपूर्ण रवैये की। यूपी विधानसभा मानसून सत्र से पहले भाजपा का दावा कि प्रतिपक्ष यहाँ बेरोजगार है, यह इनकी अहंकारी सोच व गैर–जिम्मेदाराना रवैये को उजागर करता है। सरकार की सोच जनहित व जनकल्याण के प्रति ईमानदारी एवं वफादारी साबित करने की होनी चाहिए, न कि प्रतिपक्ष के विरुद्ध द्वेषपूर्ण रवैये की।

बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला, ईडी ने पार्थ चटर्जी, उनकी सहायक की 46 करोड़ से अधिक की संपत्ति की कुर्क

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती 'घोटाले में धन शोधन की जांच के सिलसिले में पूर्वमंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी कथित सहयोगी अर्पिता मुखर्जी की 46.22 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की। संघीय एजेंसी ने एक बयान में कहा कि कुर्क की गयी संपत्तियों में एक फार्महाउस, कई फ्लैट और कोलकाता में 40.33 करोड़ रुपये की जमीन समेत 40 अचल संपत्तियां शामिल हैं।

इसके अलावा 35 बैंक खातों में जमा 7.89 करोड़ रुपये की धनराशि भी कुर्क की गयी है। उसने कहा, 'ऐसा पाया गया है कि कुर्क की गयी संपत्तियों से पार्थ चटर्जी तथा अर्पिता मुखर्जी को लाभ मिला। एजेंसी के अनुसार, कुर्क की गयी कई संपत्तियां मुखौटा कंपनियों तथा चटर्जी के लिए काम कर रहे लोगों के नाम पर दर्ज पायी गयी। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार में पूर्व मंत्री चटर्जी और उनकी ''करीबी सहायकश को ईडी ने जुलाई में गिरफ्तार किया था।

एजेंसी ने कोलकाता और अन्य हिस्सों में इस मामले में छापे मारने के बाद 49.80 करोड़ रुपये की नकदी तथा 55 करोड़ रुपये से अधिक के आभूषण जब्त किए थे।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद मोहाली के चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के छात्रों का प्रदर्शन समाप्त

चंडीगढ़ । जाब के मोहाली स्थित चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की कई छात्राओं के आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड किए जाने के आरोपों की निष्पक्ष एवं पारदर्शी जांच का जिला प्रशासन एवं पुलिस द्वारा भरोसा दिलाए जाने के बाद छात्रों ने सोमवार तड़के अपना प्रदर्शन समाप्त कर दिया। विश्वविद्यालय ने सोमवार को लापरवाही के आरोप में दो वार्डन को निलंबित कर दिया और 24 सितंबर तक अवकाश की घोषणा कर दी। विश्वविद्यालय के सूत्रों ने बताया कि छात्रावास के समय एवं छात्रों की अन्य मांगों संबंधी मामलों को सुलझाने के लिए छात्रों और वरिष्ठ पदाधिकारियों की एक संयुक्त समिति का गठन किया गया है। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विवेक शील सोनी ने कहा, ''उन्होंने (छात्रों ने) रविवार देर रात करीब डेढ़ बजे प्रदर्शन समाप्त किया। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि मामले में जांच के लिए एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की अगुवाई में एक विशेष जांच दल गठित किया जाएगा। विश्वविद्यालय ने ट्वीट किया, ''हम हमेशा अपने छात्रों के साथ हैं, भले ही उनकी अकादमिक महत्वाकांक्षाओं की बात हो या उनकी सुरक्षा एवं कल्याण का मामला हो। हम अपने छात्रों के प्रति अपनी इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए हर संभव कोशिश करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि गिरफ्तार छात्रा का मोबाइल फोन फॉरेंसिक जांच के लिये जब्त कर लिया गया है और किसी छात्रा के आत्महत्या की कोशिश करने का मामला सामने नहीं आया है और इस मामले में किसी की मौत नहीं हुई है। विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने भी उन खबरों को "झूठी एवं निराधार" बताकर खारिज कर दिया, जिनमें दावा किया गया था कि विश्वविद्यालय के छात्रावास में कई छात्राओं के वीडियो बनाए गए और सोशल मीडिया पर साझा किए गए तथा कई छात्राओं ने इस प्रकरण के बाद आत्महत्या का प्रयास किया।

3 सदस्यीय एसआईटी करेगी चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मामले की जांच

चंडीगढ़। चंडीगढ़ विश्वविद्यालय मामले की जांच के लिए 3 सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने आज यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि एसआईटी में सभी महिला सदस्य हैं। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि टीम वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी गुरप्रीत देव की देखरेख में काम करेगी। यादव ने इस केस में पंजाब पुलिस को "उत्कृष्ट सहयोग" प्रदान करने के लिए हिमाचल प्रदेश के डीजीपी को भी धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को जब्त कर लिया गया है और फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है।

1989 में कश्मीरी पंडित की हत्या के मामले में जांच की याचिका खारिज

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि वह 1989 में एक कश्मीरी पंडित की हत्या के मामले में जांच के अनुरोध वाली याचिका को विचारार्थ स्वीकार करने के पक्ष में नहीं है और याचिकाकर्ता राहत पाने के लिए उच्च न्यायालय में जा सकते हैं। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति सी टी रविकुमार की पीठ ने कहा कि उसने हाल में एक ऐसी ही याचिका पर विचार करने से मना कर दिया था। उसने याचिकाकर्ता को याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। पीठ ने कहा, ''आप इसे वापस लेना चाहें तो ले सकते हैं। हमने साफ कर दिया है कि हम दो याचिकाओं के बीच भेदभाव नहीं कर सकते।'' याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव भाटिया ने याचिका को इस स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया कि वह कानून में प्रदत्त उचित उपाय अपना सकते हैं। उन्होंने दलीलों के दौरान कहा कि याचिका एक 'बहुत गंभीर मामले' से जुड़ी है और उस व्यक्ति ने दायर की है जिनके पिता टी एल टपलू की 1989 में जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) ने नृशंस हत्या कर दी थी। उन्होंने कहा, ''वहां जो माहौल था, उसे देखते हुए मैं आज केवल न्याय चाह रहा हूं और कुछ नहीं।''भाटिया ने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों में शीर्ष अदालत के आदेश का जिक्र किया और कहा कि 30 साल से अधिक समय बाद कार्रवाई की गयी, आरोपपत्र दाखिल किये गये और लोग दोषी ठहराये गये। पीठ ने कहा, ''हम याचिका पर विचार नहीं करना चाहते। हमें हमारे उच्च न्यायालयों पर भरोसा है।'' भाटिया ने कहा कि हाल में शीर्ष अदालत ने जो याचिका खारिज की थी, वह एक एनजीओ की थी जबकि यह याचिका उस व्यक्ति ने दायर की है जिनके पिता की नृशंस हत्या कर दी गयी थी। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता जो दिल्ली निवासी हैं, को उनके पिता की हत्या के फौरन बाद कश्मीर छोड़ने को कहा गया था।

पंजाब में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की तैयारी, भगवंत मान सरकार कर रही विचार

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने सोमवार को कहा कि सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने पर उनकी सरकार विचार कर रही है। राज्य के अधिकतर सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग कर रहे हैं, जिसे 2004 में बंद कर दिया गया था। मान ने ट्वीट किया, 'मेरी सरकार पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल करने पर विचार कर रही है। मैंने मुख्य सचिव से इसके कार्यान्वयन की व्यवहार्यता पर गौर करने को कहा है। हम कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हैं।श पिछले साल अगस्त में, आम आदमी पार्टी (आप) के नेता एवं मौजूदा वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने वादा किया था कि अगर उनकी पार्टी पंजाब में सत्ता में आई तो पुरानी पेंशन प्रणाली को बहाल कर दिया जाएगा। पंजाब सिविल सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुखचौन सिंह खैरा ने मुख्यमंत्री की घोषणा का स्वागत किया और कहा कि राज्य के कर्मचारी पुरानी पेंशन प्रणाली बहाल कराने के लिए लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं।

भाजपा में शामिल होने से पहले पंजाब के पूर्व सीएम अमरिंदर सिंह ने की नड्डा से मुलाकात

नई दिल्ली। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब लोक कांग्रेस (पीएलसी) के प्रमुख अमरिंदर सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने से पहले सोमवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात की। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में सिंह यहां ना सिर्फ पार्टी में शामिल होंगे बल्कि अपनी नवगठित पार्टी पीएलसी का केंद्र की सत्ताधारी पार्टी में विलय भी करेंगे। सिंह ने मुख्यमंत्री पद से अचानक इस्तीफा देने के बाद पिछले साल कांग्रेस छोड़ दी थी और पीएलसी का गठन किया था। पीएलसी ने भाजपा और सुखदेव सिंह ढींढसा की अगुवाई वाले शिरोमणि अकाली दल (संयुक्त) के साथ गठबंधन कर विधानसभा चुनाव लड़ा था। हालांकि, उसका एक भी उम्मीदवार जीत हासिल नहीं कर पाया था और खुद सिंह को भी अपने गढ़ पटियाला शहर सीट से शिकस्त मिली थी। पीएलसी के प्रवक्ता प्रीतपाल सिंह बलियावाल ने पहले बताया था कि सिंह सोमवार को दिल्ली में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में पार्टी में शामिल होंगे। रीढ़ की हड्डी की सर्जरी के बाद लंदन से हाल में लौटने के बाद अमरिंदर सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। सिंह ने 12 सितंबर को शाह के साथ अपनी मुलाकात के बाद कहा था कि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, पंजाब में मादक पदार्थ–आतंकवाद के बढ़ते मामलों और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए भविष्य की रूपरेखा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर बहुत सार्थक चर्चा की। दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह पूर्ववर्ती पटियाला शाही परिवार के वंशज हैं।

लखीमपुर में दो बहनों के रेप के बाद हत्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से किया इनकार

लखीमपुर। खीरी उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में दो दलित बहनों से रेप के बाद हत्या का मामले सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। दरअसल, बीते बुधवार को जिले में रहने वाली दो दलित बहनों संग दुष्कर्म कर हत्या करने का मामला सामने आया था। दोनों की हत्या कर उनके शव को पेड़ से लटका दिया गया था। इस मामले में स्थानीय पुलिस जांच कर रही है। लेकिन इसके बाद भी यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इनकार करते हुए कहा है कि राज्य सरकार इस मामले में काम कर रही है हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। बता दें कि जिले में हुए इस मामले को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश किया गया। इस मामले के पेश होने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा कि इस मामले से आपका पीड़िता के साथ क्या संबंध है? क्या आप पीड़ित है? तो सुप्रीम कोर्ट के इस सवाल पर याचिकाकर्ता ने कहा कि, वह मामले में पीड़ित नहीं है, लेकिन वह चाहता है कि मामले में से जांच कराई जाए। याचिकाकर्ता के इस जबाव को सुन कर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार इस दिशा में अपना काम कर रही है हम हस्तक्षेप नहीं करेंगे। वहीं, इस मामले की जांच में तेजी लाने की मुख्य्यमंत्री योगी आदित्य्यनाथ की सख्त हिदायत के बाद स्थानीय पुलिस सभी 6 आरोपियों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई पर विचार कर रही है। लखीमपुर खीरी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव सुमन ने बताया था कि हम 6 आरोपियों पर रासुका लगाने पर विचार कर रहे हैं। इसके अलावा 6 आरोपियों और दोनों लड़कियों के डीएनए नमूने जांच के लिए भेजे जाएंगे। उन्होंने बताया कि कि घटना के मुख्य्य आरोपी जुनैद और सोहेल ने दो बहनों से बलात्कार और बाद में उनका गला घोंटना कबूल किया है।

2024 में जनता के पूर्ण आशीर्वाद के साथ लौटेंगे पीएम मोदी : स्मृति ईरानी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने पुस्तिक विमोचन कार्यक्रम के दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा। दरअसल,अगस्त में जेडीयू ने बीजेपी से गठबंधन तोड़ आरजेडी के साथ मिलकर बिहार में नई सरकार बना ली थी, इसके बाद से ही बीजेपी नीतीश कुमार को आड़े हाथों लिए हुए है। हाल ही में केंद्रीय मंत्री स्मशति ईरानी ने रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राष्ट्रीय महत्वाकांक्षाओं पर तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद सत्ता में लौट आएंगे। ईरानी ने नीतीश कुमार को तंज कसते हुए कहा कि इस राज्य में सरकार बनाने के लिए हमेशा दूसरों पर निर्भर रहने वाले लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष कर रहे हैं। ईरानी ने कहा कि मोदी के राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी 2024 में सत्ता चाहते हैं लेकिन उन्हें एहसास नहीं है कि पीएम पद के लिए कई आकांक्षी हैं, लेकिन केवल एक ही है जो प्रधान सेवक बनकर खुश है। स्मशति ईरानी ने कहा कि प्रधान सेवक सेवा भाव से काम करते हैं और वह 2024 में जनता के पूर्ण आशीर्वाद के साथ लौटेंगे। बता दें कि स्मृति ईरानी मोदी/20 पुस्तक पर आधारित पार्टी के एक मीटिंग में शामिल होने के लिए आईं थीं इस दौरान उनके साथ उनके कैबिनेट सहयोगी गिरिराज सिंह, पूर्व मंत्री रविशंकर प्रसाद और राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री मोदी सहित वरिष्ठ भाजपा नेताओं ने सेठी के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा सहित कई नेताओं ने पार्टी की ओड़िशा इकाई के वरिष्ठ नेता विष्णु चरण सेठी के निधन पर शोक जताया। सेठी का सोमवार को भुवनेश्वर के एक सरकारी अस्पताल में निधन हो गया। वह 61 वर्ष के थे। सेठी को 16 अगस्त को एम्स–भुवनेश्वर में भर्ती कराया गया था, जहां उनका गुर्दे से संबंधित बीमारी का इलाज चल रहा था। मोदी ने एक ट्वीट में कहा, ''विष्णु चरण सेठी ने ओड़िशा की प्रगति में उत्कृष्ट योगदान दिया। उन्होंने एक परिश्रमी विधायक के रूप में अपनी पहचान स्थापित की और सामाजिक सशक्तीकरण में बड़ा योगदान दिया।''उनके निधन पर शोक जताते हुए प्रधानमंत्री ने उनके परिवार के सदस्यों और समर्थकों के प्रति संवेदना व्यक्त की। शाह ने एक ट्वीट में कहा, ''ओड़िशा विधानसभा में भाजपा के उप नेता बिष्णु सेठी का जीवन जनसेवा व संगठन के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने प्रदेश में संगठन को मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। उनका निधन भाजपा परिवार व ओडिशा के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।''

सम्पादकीय

फास्ट ट्रैक कोर्ट बनें

केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री ने उच्च न्यायालयों से फास्ट ट्रैक अदालतों की तादाद बढ़ाने का आग्रह किया है। मौजूदा फास्ट ट्रैक और फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्टों के कामकाज की समीक्षा के आधार पर यह आग्रह किया गया है। उल्लेखनीय है कि महिलाओं के खिलाफ बलात्कार तथा बच्चों के विरुद्ध होने वाले यौनिक अपराधों की त्वरित सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए ऐसी अदालतों का गठन हुआ है, जिसका खर्च केंद्र सरकार वहन करती है। समीक्षा में पाया गया है कि विशेष न्यायालयों के बावजूद लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इतना ही नहीं, जो धन सरकार द्वारा आवंटित किया जाता है, उसका भी पूरी तरह इस्तेमाल नहीं हो रहा है।

राज्य सरकार द्वारा गठित किये जाने वाले 1800 फास्ट ट्रैक अदालतों के लिए 14वें वित्त आयोग ने केंद्र सरकार के योगदान को बढ़ाने की अनुशंसा की थी। अभी देश के 24 राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में कुल 896 ऐसी अदालतें कार्यरत हैं, जिनमें 13।18 लाख से अधिक मामले लंबित हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में बच्चों के विरुद्ध हुए अपराध के 53,874 मामले पोक्सो एक्ट के तहत दर्ज हुए थे। यह संख्या बच्चों के खिलाफ हुए कुल अपराधों का 36।1 फीसदी है।

बच्चों के विरुद्ध हर तरह के अपराधों का संज्ञान लें, तो 2011 और 2021 की एक दशक की अवधि में इनमें 351 फीसदी की चिंताजनक बढ़त हुई है। इसी तरह महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की तादाद भी बेहद चिंताजनक है। ब्यूरो की रिपोर्ट बताती है कि 2021 में हमारे देश में हर दिन 86 बलात्कार के मामले सामने आये तथा हर घंटे महिलाओं के खिलाफ 49 अपराध दर्ज हुए। यदि ऐसे गंभीर अपराधों का निपटारा जल्दी नहीं होता है, तो न केवल फास्ट ट्रैक अदालतों के गठन का उद्देश्य असफल होता है, बल्कि अपराधियों का हौसला भी बढ़ता है। देश के सभी अदालतों में मंजूर पदों से कम जज कार्यरत हैं।

स्थिति यह है कि उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों के पदों को भरने में होने वाली देरी के लिए सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार एक–दूसरे को दोष देते रहते हैं। अक्सर इस बहस में भर्ती प्रक्रिया को लेकर भी तनातनी चलती है। ऐसे में यह अचरज की बात नहीं है कि 4।83 करोड़ से अधिक मामले लंबित है। इस कारण बड़ी संख्या में आरोपी जेलों में भी बंद रहते हैं तथा उन्हें न जमानत मिलती है, न वे बरी होते हैं और न ही उन्हें सजा दी जाती है। कई मामले तो ऐसे हैं कि पांच–दस साल से निचली अदालतों में ही उनकी सुनवाई पूरी नहीं हो सकी है। ऐसी स्थिति में सामान्य अदालतों से बच्चों और महिलाओं को समुचित न्याय मिल पाना बेहद मुश्किल है।

यात्रा ने राहुल की अहमियत और ताकत दिखाई

कांग्रेसियों अब राहुल को माइनस करके देखो? कहीं दिखेगी कांग्रेस? आठ साल से वे यह नहीं समझ सके कि उनकी असली ताकत कौन है। हर क्षत्रप खुद को कांग्रेस समझने लगा। 2014 में हार उन्हीं की वजह से हुई थी। सोनिया ने तो पूरी सरकार उन्हीं लोगों को सौंप रखी थी। मगर वे खाने कमाने में ऐसे मस्त हुए कि उन्हें कांग्रेस की चिन्ता ही नहीं रही। सोनिया गांधी कांग्रेस अध्यक्ष बार–बार कहती थीं कि जनता के बीच जाओ, कार्यकर्ताओं से मिलो मगर कोई नहीं सुनता था या अपनी मनचाही काल्पनिक आवाज सुन लेते थे। प्रणव मुखर्जी ने सुना नागपुर जाओ। और वे संघ के मुख्यालय में पहुंच गए। 2004, 2009 दोनों बार सोनिया गांधी सरकार लाईं। दोनों बार इनको सौंपी। मगर इन्होंने न सोनिया की कद्र की और न ही सरकार ठीक से चलाने की चिन्ता। अगर सोनिया मनरेगा, किसान कर्ज माफी नहीं लातीं तो 2009 में भी वापसी संभव नहीं थी। और यह कोई ज्यादा छुपी हुई बात नहीं है कि मनरेगा और किसान कर्ज माफी का कांग्रेस के सारे बड़े नेताओं ने विरोध किया।

ज्यादातर कांग्रेसी नेता गरीब के वोट तो पाना चाहते हैं, मगर उनके हित में कुछ भी करना नहीं चाहते। वे सोच के स्तर पर यथास्थितिवादी हैं। भाजपा की तरह गरीब के शोषण को उसकी नियति मानने वाले। बस फर्क यह है कि भाजपा पार्टी के स्तर पर यह बात मानती है और कांग्रेस पार्टी स्तर पर नहीं। मगर उसके अधिकांश नेता गरीब विरोधी हैं। कांग्रेस पार्टी स्तर पर जो

भाजपा से भिन्न है उसका सबसे बड़ा कारण यह गांधी नेहरू परिवार ही है जो विचार के स्तर पर बहुत ही दृढ़ है। गरीब, मेहनतकश, कमजोर समर्थक। उसे सहारा देकर, मदद करके आगे बढ़ाने का जज्बा रखने वाला। इसीलिए कांग्रेस के नेताओं की जो कुंठा होती है वह अपने इसी गांधी नेहरू परिवार के नेतृत्व के खिलाफ। मगर वोट वही लाते हैं। जनता उन्हीं के साथ जुड़ती है। अभी राहुल की यात्रा में सब हैरानी से देख ही रहे हैं। कुछ सुखद आश्चर्य से कुछ दुखद आश्चर्य से या सदमे में। इसलिए जब कांग्रेस सत्ता में होती है तो सब कांग्रेसी चुप रहते हैं। मगर जैसे ही वक्त पलटता है। वे सारा दोष परिवार पर रखने लगते हैं। अगर मौका मिलता है तो खिसकने भी लगते हैं। डिपेंड करता है कि सामने वाले से क्या आफर मिलता है या बचाने के लिए, जो ज्यादा कमाया होता है उसे बचाने के लिए चले जाते हैं। गुलाम नबी आजाद, कैप्टन अमरिन्दर सिंह ताजा उदाहरण हैं। दोनों कुछ पाने की उम्मीद और जो है उसे बचाने के लिए कांग्रेस छोड़ गए। और भी बहुत हैं जो जाने को तैयार बैठे हैं। मगर अभी बुलावा नहीं आ रहा। कांग्रेसियों का यह पुराना चरित्र है। 1977 में हारने के बाद जगजीवन राम और हेमवती नंदन बहुगुणा भाग गए। मजेदार यह है कि उसके बाद भी कांग्रेस नेतृत्व ने इनकी लड़कियों, लड़के को आगे बढ़ाया। मगर इन्होंने भी धोखा दिया। जगजीवन राम की बेटी मीरा कुमार ने भी कांग्रेस छोड़ी थी और बहुगुणा की बेटी रीता और बेटा विजय बहुगुणा तो अभी भी कांग्रेस के खिलाफ हैं। तो ये सब कांग्रेसी जो सोनिया को डरा कर अपनी कुर्सी मजबूत करते रहे आखिरकार राहुल को नहीं डरा पाए। सोनिया को तो हमेशा इन्होंने यह कहकर रोका कि अगर आपने यह किया तो वे यह कर देंगे। सोनिया राजनीतिक रूप से बहुत बुद्धिमान हैं मगर ऊंचे आदर्शात्मक स्तर पर। दांव पेंच भी थोड़ा समझती हैं। मगर चाल–फरेब की राजनीति बिल्कुल नहीं। सच तो यह है कि इसे कांग्रेसियों के अलावा और कोई इतनी बारीकी से समझ ही नहीं सकता। न खेल सकता है। मगर यह सब करते हैं वे आपस में। एक कांग्रेसी दूसरे के खिलाफ या गुट बनाकर सोनिया, राहुल के खिलाफ। मोदी के खिलाफ आपने कोई कांग्रेसी पहल करते नहीं देखा होगा। उल्टे उनकी तारीफ करने वालों की संख्या बहुत है। 2004 से ही यह सेल्फ डिफेंस की प्रक्रिया शुरू हो गई थी। मोदी जी की तारीफ और इस अंदाज में कि वह आटोमेटिकली सोनिया के खिलाफ जाए। जैसे मोदी भारतीयता के प्रतीक हैं। मतलब सोनिया का भारतीयता से कोई नाता नहीं था। सोनिया जी सहम जाती थीं। यही उनका उद्देश्य होता था। मगर राहुल इस दबाव में नहीं आए।

इसलिए उनका अंदर ही अंदर विरोध करने का तरीका निकाला गया। अंदर से ही काटने का। कांग्रेस के एक बड़े नेता ने जो अब फिर राहुल के नजदीक आए हैं कहा था कि शेर से डर नहीं लगता। मगर ये चूहे अंदर ही अंदर जो काटते हैं वे बहुत खतरनाक हैं। राहुल को इन्होंने अंदर ही अंदर काटा। 2019 में कांग्रेस अध्यक्ष से इस्तीफा भी दिलवा दिया। राहुल दुरुखी हुए, गुस्सा हुए लेकिन निराश नहीं हुए, डरे नहीं। इस्तीफा देने के बाद पिछले तीन साल में और ज्यादा मेहनत की। कोरोना के ढाई साल में तो राहुल के मुकाबले क्या उनके दसवें हिस्से के बराबर भी सत्ता पक्ष से लेकर विपक्ष के किसी नेता ने जनता से संपर्क नहीं किया। हर जगह गए। लोगों से मिले। पचासों प्रेस कान्फ्रेंस करके सरकार पर दबाव डाला और ज्यादातर मामलों में चाहे कोरोना के टीके मुफ्त में लगाने की बात हो या किसान बिल वापस लेने की सरकार को उनकी बात मानना पड़ी। राहुल की इसी हिम्मत और जज्बे से कांग्रेसी डरते हैं। वे चाहते हैं चाहे कोई बन जाए राहुल को अध्यक्ष नहीं बनना चाहिए। भाजपा भी यही चाहती है। मोदी जी ने खुलेआम कहा ही है कि कांग्रेस मुक्त भारत। जिसका सीधा मतलब है नेहरू गांधी परिवार मुक्त भारत। एक बार परिवार हट गया तो फिर आजाद को वापस भेजकर उन्हें अध्यक्ष बनवा देंगे। कैप्टन अमरिन्दर सिंह को। आनंद शर्मा, ज्योतिराज सिंधिया किसी को भी। यात्रा बहुत अच्छी चल रही है। सारा माहौल बदल दिया। लंबे अरसे बाद कांग्रेस के हाथ में अजेंडा आया है। भाजपा रिएक्शन कर रही है। यात्रा की एक–एक चीज पर। जिस कंटेनर में 18–18 लोग रात को सोते हों, जहां निकलने की, चलने की भी जगह नहीं होती हो। ट्रेन के साधारण डिब्बों की तरह एक के ऊपर एक संकरी बर्थ होती हो। दिन भर धूप में तपा कंटेनर का एसी रात को इतने लोगों के लिए ठंडा करने में असमर्थ हो जाता हो उसे आलीशान व्यवस्था बता रही है। इन्दिरा गांधी कहती थीं यह रिएक्शन अच्छा है। भाजपा को वे हमेशा प्रतिक्रियावादी पार्टी ही कहती थी। इन्दिरा जी की राजनीतिक सफलता का सबसे बड़ा कारण यह था कि वे अजेंडाहमेशा अपने हाथ में रखती थीं।

आज का राशिफल

मेष :– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कार्यां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

बृषभ :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

मिथुन :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। बिरोधियों प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित ना हों।

सिंहः–दूसरों की बात इधर से उधर करना आपका शोभा नही देता और निर्थक दूसरों की आलोचना भी ठीक नही है। परिवारिक सम्बन्धों कटुता दुश्मनी जैसा ना बननें दें।

कन्या :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरो की आलोचना का अपने मनोबल पर असर ना पड.ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

तुला :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव।

वृश्चिकः– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अत इसे सुधारें। नैतिक–अनैतिक सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल–मेल बिठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। किसी पुराने संबंधी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता के योग है।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना ना करें। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन :–कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशां में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

हवा से होता पौधारोपण

देश–विदेश में वर्षा का मौसम सामान्यतरू पौधारोपण का रहता है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में इसे पवित्र एवं पुण्य का कार्य बताया गया है। पारम्परिक पौधारोपण में गड्ढा खोदकर, खाद डालकर मनचाहे पौधों को रोपित किया जाता था। चौपायों से सुरक्षा हेतु ट्री–गार्ड, कांटेदार तार की फेंसिंग या कांटे आदि लगाकर सुरक्षा की व्यवस्था की जाती थी। अधिक जगह वाले स्थानों पर रोपित पौधे के आसपास थोड़ी गहरी नाली बनाई जाती थी, ताकि पशु नहीं आ सकें। कालांतर में गड्ढों की व्यवस्था तो वैसी ही रही, परंतु अधिक लम्बे पौधे रोपकर बांस से सहारा दिया जाने लगा। पौधारोपण में गड्ढा खोदने के कठिन कार्य को इन्दौर शहर के सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. रितुराज टोंग्या ने काफी सरल कर दिया है। उनकी बनाई मशीन से दो लोग एक गड्ढा एक–दो मिनिट में बना देते हैं। पिछले 4–5 वर्षो में इससे 20 हजार गड्ढे खोदे जा चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में यह भी देखने में आ रहा है कि गड्ढे खोदने एवं पौधा रोपने की झंझट से बचने के लिए बीज–गेंद (सीड–बाल) की विधि कई लोगों एवं संगठनों ने अपनाई है। यह विधि शहरों की बजाय पहाड़ी क्षेत्रों के लिए ज्यादा उपयोगी बताई गई है। गेंद में रखे बीज अनुकूल मौसम में अंकुरित हो नए पौधे को जन्म देते हैं और इस प्रकार पौधारोपण का कार्य पूरा हो जाता है। पिछले कुछ वर्षों में यह भी पाया गया है कि पेड़ों के कटने एवं नए पौधों के रोपण से पेड़ बनने में काफी बड़ा अंतर हो गया है। इस अंतर को कम करने हेतु कम समय में ज्यादा पौधारोपण किये जाने पर सोचा गया। संभवतरू इसी सोच के आधार पर जापान के वनस्पति–शास्त्री प्रो. अकीस मिसावाकी ने पौधारोपण की एक विधि प्रस्तुत की जिसे श्मियाता की पद्धतिश कहा गया। कम समय में सघन पौधारोपण हेतु श्मियाता की पद्धतिश को शहरी क्षेत्रों और सीमित क्षेत्र के लिए ज्यादा उपयोगी बताया गया है। इस पद्धति में एक सीमित क्षेत्र को भरपूर खाद देकर तैयार किया जाता है एवं फिर बहुत नजदीक पौधे रोपे जाते हैं। खाद की प्रचुरता होने से पौधों की वृद्धि 10 गुना तेज होती है एवं इस कारण तीन वर्षों के बाद देखभाल की ज्यादा जरूरत नहीं रहती। इस पद्धति में एक ही प्रजाति के पौधों के रोपण से जैव–विविधता कम हो जाती है। आजकल विज्ञान एवं तकनीकी तथा सूचना–प्रौद्योगिकी

के विकास के चलते पौधारोपण के कार्य में भी कई परिवर्तन हुए हैं एवं सतत जारी हैं। श्संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रमश (यूएनईपी) ने बताया है कि पृथ्वी से लगभग 70 हजार वर्ग किलोमीटर जंगल प्रतिवर्ष समाप्त हो जाते हैं। वनों की समाप्ति के साथ बढ़ते औद्योगीकरण, शहरीकरण एवं कई अन्य विकास कार्यों के फलस्वरूप ग्लोबल वार्मिंग की समस्या भी गहराने लगी है। इस संदर्भ में 1990 के आसपास अमेरिका स्थित श्मेसाच्यूसेट प्रौद्योगिक संस्थानश (एमआईटी) के प्रो. मोशे अलमाटो ने हवाई जहाज से जमीन पर पौधों की बमबारी की योजना बनाई। इस योजना के पीछे विचार यही था कि इससे पौधारोपण तेज गति से होगा, पेड़ जल्दी विकसित होंगे एवं ग्लोबल वार्मिंग से कुछ राहत मिलेगी। पौधों की बमबारी हेतु 9–10 इंच लम्बे बायोडिग्रेडेबल पदार्थ के कोन या कनस्तर तैयार कर उसमें मिट्टी खाद एवं पौधे रखे गये। नमी के कारण इस कनस्तर का नुकीला भाग जमीन में धंस जाता है। एक बार की उड़ान से एक लाख पौधों के रोपण की सम्भावना बताई गई। इजराइल के रेगिस्तान एवं यूरोप की कुछ पहाड़ियों पर इस विधि से पौधे रोपे गये थे। वायु सेना, स्टार वार तकनीक एवं कम्प्यूटर प्रणाली के उपयोग से यह काफी हाई–टेक विधि बताई गई थी। अमेरिकी श्एअरो स्पेस कंपनीश का सुझाव था कि इस हेतु लडाकू विमानों का उपयोग किया जाना चाहिये। लडाकू विमान के ढांचे में थोड़ा परिवर्तन कर नौ लाख पौधे प्रतिदिन रोपे जा सकते हैं। लंदन के सो–क्वेस्टर में कार्यरत मि. जेफबर्ले ने वायुयान के बदले हेलीकॉप्टर से पौधे गिराने का सुझाव दिया, क्योंकि हेलीकॉप्टर उन स्थानों पर भी आसानी से पहुंच जाते हैं जहां वायुयान नहीं पहुंच पाते। बायोडिग्रेडबल पदार्थ से बने कोन में मिट्टी, खाद एवं पौधा रखकर सात मीटर ऊंचाई से गिराया जाना था। हेलीकाप्टर की क्षमता अनुसार एक बार की उड़ान में 200 से 2000 कोन गिराये जाने की सम्भावना बताई गई थी। इस विधि का सफल परीक्षण ब्राजील में वर्ष 2010 में किया गया था। हवाई–जहाज एवं हेलीकॉप्टर से पौधारोपण का कार्य अब और अधिक तकनीकी विकास से ड्रोन तक पहुंच गया है। ड्रोन का कार्य एवं नियंत्रण हवाई–जहाज एवं हेलीकॉप्टर की तुलना में काफी सरल होता है। टोरंटो (कनाडा) स्थित कंपनी फ्लैश फारेस्ट ने साफ्टवेअर एवं इकोलाजी के आधार पर एक ड्रोन तकनीक बनाई है। इसके माध्यम से तेजी से बढ़ने वाले पेड़ों के 100 करोड़ रोपे लगाने का लक्ष्य रखा है। यह तकनीक गड्ढा कर (हेवो लिफ्ट ड्रोन न्यूमेटिक विधि से) खाद डालकर पौधा रोपित करती है। जिन क्षेत्रों में इंसान की पहुंच आसान नहीं है वहां यह काफी उपयोगी बताई गई है। आस्ट्रेलिया की कंपनी ऑक्टोफाप्टर्स ने भी आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआई) आधारित एक ड्रोन तकनीक विकसित की है। यह एक दिन में 40 हजार श्सीड बालश गिरा सकती है। वर्ष 2024 तक इसके द्वारा 10 करोड़ सीड बाल डालने की योजना है। सीड बाल पर कुछ ऐसे रसायन भी लगाये गये हैं, जो पक्षियों एवं कीड़ों से बीजों की रक्षा करते हैं।**– डॉ. ओ. पी.जोशी**

वर्षा जल संचयन और प्रबंधन ही निदान

हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में बारिश का सबसे बड़ा स्रोत मानसून है। यदि यह अनियमित हो जाता है, तो पानी की कमी का खामियाजा पूरे देश को भुगतना पड़ता है। इस बार कुछ ऐसा ही हो रहा है। पूर्वी मानसून के कमजोर रहने के कारण झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल आदि प्रांतों में अपेक्षाकृत कम बारिश हो रही है। यह इलाका हमारे खाद्यान्न उत्पादन का महत्वपूर्ण क्षेत्र है। कम बारिश का सीधा असर खाद्यान्न उत्पादन पर पड़ेगा। जहां नहरों से सिंचाई की सुविधा है, वहां भी बारिश की कमी का असर पड़ेगा और खाद्यान्न उत्पादन प्रभावित होगा। झारखंड की राजधानी रांची के चारों ओर बड़े पैमाने पर हरी सब्जी की खेती होती है। पानी की कमी से सब्जी की खेती बुरी तरह प्रभावित हो रही है और हरी सब्जियां लगातार महंगी हो रही हैं।

मौसमी अनुमान में बताया गया था कि इस बार मानसून सामान्य होगा, लेकिन पूर्वी भारत में मानसून बहुत कमजोर पड़ गया। इस कारण बंगाल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश में बारिश बहुत कम हो रही है। बिहार और झारखंड में तो लोग सूखे की स्थिति का सामना कर रहे हैं। उत्तर और पश्चिम भारत में मजबूत पश्चिमी मानसून के कारण बारिश तो हो रही है, लेकिन यहां भी सामान्य से कम बारिश के कारण किसान प्रभावित हैं।

वैसे भी देश का दक्षिण और मध्य क्षेत्र सूखे की समस्या से दो–चार होता रहता है। अगर भारत का पूर्वी क्षेत्र भी सूखा प्रभावित हो गया, तो हमारे देश की अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर होगा। मानसून की अनियमितता सामान्य बात है, लेकिन जब विज्ञान का विकास हो चुका है और हमारे पास पूर्वानुमान की बेहतर तकनीक है, तो हमें अपने प्रबंधन में भी सुधार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि पश्चिम से आयातित विकास की नयी शैली बेहद सतही है। जल प्रबंधन के मामले में ही हम इस शैली का उपयोग कर जल की समस्या से जूझने लगे हैं। जिस देश में हजारों की संख्या में मीठे पानी के स्रोत हों, वहां पेयजल का व्यापार असहज कर देता है।

अब तो गांव–गांव में पानी शुद्ध करने की मशीनें लग रही हैं। यदि मशीन नहीं हैं, तो लोग खरीद कर पानी पी रहे हैं। यह प्रबंधन हमें प्रकृति के द्वारा प्रदत्त जल से वंचित कर रहा है। प्रदूषण के नाम पर हमें न जाने कौन–सा पानी पिलाया जा रहा है। इसलिए हमें जल की कमी और उसके प्रबंधन पर तसल्ली से विचार करना होगा। दूसरी बात, हमें सूखे की स्थिति से निपटने की नयी प्रविधि विकसित करनी होगी। फिलहाल जहां पानी है, वहां से लाने की बात हम करते हैं।

कई स्थानों पर हम तकनीक के द्वारा पानी ला भी रहे हैं। उदाहरण के लिए, दिल्ली के लोगों ने यमुना नदी को प्रदूषित कर लिया और अब पीने के पानी के लिए गंगा के पानी पर निर्भर हैं। गंगा के पानी पर प्राकृतिक रूप से पहला अधिकार उसके किनारे बसे लोगों का है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पहाड़ के लोग पेयजल के लिए प्रतिदिन 5–10 किलोमीटर की यात्रा करते हैं, लेकिन दिल्ली के लोगों को गंगा नहर के माध्यम से बेहद सहजता से पानी दिया जा रहा है। उसी प्रकार पंजाब के पानी को हरियाणा, राजस्थान आदि प्रांतों में पहुंचाया जा रहा है, जबकि खुद पंजाब में पानी की भारी कमी है। नदी जल के लिए पंजाब और हरियाणा के बीच तलवारें खिंची हुई हैं। नर्मदा का जल राजस्थान तक पहुंचाया जा रहा है। जल समस्या के समाधान के लिए सरकारों ने जो तकनीक विकसित की है, वह अवैज्ञानिक और अप्राकृतिक है। जल के स्थानीय स्रोतों को विकसित करना ही जल संकट का असली समाधान है।

इसके लिए समाज को जगाना होगा। जल के महत्व को समझाना होगा। जिस प्रकार हमारे पूर्वज जल की महत्ता को समझते थे और अपने समाज को प्रबोधित करते थे, उसी प्रकार इसे अभियान के तहत समाज पर लागू करना होगा। जहां नदी है, वहां नदी के रखरखाव की जिम्मेदारी समाज को सौंपी जाए और जहां नदी नहीं है, वहां जल संरक्षण के लिए अभियान चले।

वर्षा जल संग्रह कर हम उसका बेहतर उपयोग कर सकते हैं। इस जल को हम न केवल पीने के काम में ला सकते हैं, अपितु कृषि कार्य के लिए भी इसका उपयोग हो सकता है। इस दिशा में पहल होनी चाहिए। साथ ही, पूरे देश में वश्क्षारोपण का महाअभियान चलाया जाना चाहिए। धार्मिक, राजनीतिक, सामाजिक स्तर पर इसका प्रचार–प्रसार होना चाहिए। पारंपरिक कृषि प्रणाली के सीमित विकल्प के तौर पर उपलब्ध मौसमी फसल चक्र मे परिवर्तन से सूखाग्रस्त क्षेत्र में होने वाले नुकसान की सीमित मात्रा में भरपाई ही संभव है।मानसून पर निर्भरता और सुखाड़ जैसे हालात से निपटने के लिए जल संचयन और प्रबंधन को बेहतर बनाने के साथ–साथ जन सहभागिता बढ़ाने के लिए जन जागरण का मूल मंत्र ही कारगर विकल्प साबित हो सकेगा।

क्या यह टीम विश्व कप जीतेगी

हमारा देश क्रिकेट का दीवाना है। ज्यों–ज्यों ऑस्ट्रेलिया में आयोजित हो रहे टी–20 क्रिकेट विश्व कप की तारीख 16 अक्तूबर नजदीक आयेगी, वैसे–वैसे पूरे देश पर इसका बुखार चढ़ता जायेगा। हर भारतीय के मन में एक ही सवाल है कि क्या भारतीय टीम टी20 विश्व कप जीत पायेगी। भारत के ग्रुप में पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका जैसी मजबूत टीमें हैं। भारत का पहला ही मैच 23 अक्तूबर को पाकिस्तान के साथ है। एशिया कप में जिस तरह से भारतीय टीम बाहर हुई, उससे मेरे जैसे करोड़ों क्रिकेट प्रेमी निराश हैं।अब सभी विश्व कप में टीम से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद लगाये हैं। भारतीय टीम को हर मैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा, लेकिन यह कोई रहस्य नहीं है कि पहले तीन–चार खिलाड़ी आप सस्ते में आउट कर दीजिए, उसके बाद टीम को धराशायी होने में देर नहीं लगेगी।

वैसे तो टीम की तैयारी काफी दिनों से हो रही है, किंतु जब टीम घोषित हुई, तो पता चला कि एशिया कप में खेले ज्यादातर खिलाड़ियों को ही जगह दी गयी है। इन खिलाड़ियों का प्रदर्शन स्तरीय नहीं रहा है। जब मुकाबला बेहद कड़ा हो, तो खिलाड़ियों का चयन बहुत अहम हो जाता है, लेकिन भारतीय चयनकर्ता हमेशा से प्रदर्शन के बजाय नामों की चमक–दमक पर ज्यादा ध्यान देते आये हैं। राहुल द्रविड़ की

अगुआई में इतने प्रयोग हो रहे हैं कि कहा जा सकता है कि भारतीय टीम प्रयोगों की कहानी बन गयी है। पता ही नहीं चलता कि कौन खिलाड़ी कब खेलेगा और क्यों खेलेगा। यह कहने में मुझे हिचक नहीं है कि बड़े टूर्नामेंट में टीम की हार में चयनकर्ताओं की गलतियों का भी योगदान रहा है। चयनकर्ताओं ने 2011 टी–20 विश्व कप के बाद सात कप्तान बदले हैं और यह सिलसिला जारी है। चिंताजनक बात है कि उसके बाद हम कोई बड़ा टूर्नामेंट नहीं जीत पाये हैं। पूर्व कप्तान दिलीप वेंगसरकर ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के टीम में न होने पर सवाल उठाया है। उनका कहना था कि विश्व कप के लिए भारतीय टीम में मोहम्मद शमी, उमरान मलिक और शुभमन गिल को होना चाहिए था। साल 1983 की विश्व कप विजेता टीम के सदस्य रहे मदन लाल ने भी मोहम्मद शमी को टीम से बाहर रखने पर निराशा जतायी है। शमी को टीम में तो स्थान नहीं दिया गया है, लेकिन वह वैकल्पिक खिलाड़ी के रूप में ऑस्ट्रेलिया जायेंगे। मदन लाल ने कहा कि शमी मैच विजेता गेंदबाज हैं और ऑस्ट्रेलिया की परिस्थितियां उन्हें मदद करेंगी।

आईपीएल 2022 में शमी ने 16 मैचों में 20 विकेट हासिल किये थे और गुजरात टाइटंस को अपना पहला खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। मदन लाल ने कहा कि भले ही आपकी टीम 180 रन बना ले, लेकिन आपके पास अच्छी गेंदबाज नहीं हैं, तो आप उसका बचाव नहीं कर सकते हैं। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन का भी मानना है कि भारतीय चयनकर्ताओं को टीम में एक और तेज गेंदबाज को स्थान देना चाहिए था। उनकी राय में टीम में तेज गेंदबाज कम हैं और यह भारत के लिए परेशानी का कारण बन सकता है। आस्ट्रेलिया की पिचों पर तेज गेंदबाजों को अच्छा उछाल मिलता है और वे विकेट भी निकालते हैं।

स्पिन गेंदबाजी पर ऑस्ट्रेलिया में रन रोकना मुश्किल होता है। बल्लेबाजी पर नजर डालें, तो कप्तान रोहित शर्मा तो कामचलाऊ फॉर्म में हैं और उनकी फिटनेस पर भी सवाल उठ रहे हैं। केएल राहुल लंबे वक्त से फॉर्म में नहीं हैं, जिससे टीम को अच्छी शुरुआत नहीं मिल पा रही है, लेकिन उन्हें टीम में जगह दी गयी है। विराट कोहली भी संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने ठोस वापसी की है और शतक बनाया है, लेकिन दावे के साथ नहीं कहा जा सकता है कि वह वापस फॉर्म में आ गये हैं। संजू सैमसन जैसा बेहतरीन खिलाड़ी उपलब्ध था, जो ओपनिंग से लेकर चौथे या पांचवें नंबर पर भी बल्लेबाजी कर सकता है, लेकिन उसे मौका नहीं दिया गया। सैमसन ऋषभ पंत का भी स्थान ले सकते थे। पंत की फॉर्म व फिटनेस को लेकर सवाल खड़े हो रहे थे और ऐसे कयास लगाये जा रहे थे कि वह बाहर हो सकते हैं, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। वह विकेटकीपिंग भी औसत दर्जे की कर रहे हैं और बल्लेबाजी में भी असफल रहे हैं। बेहतर होता कि पंत के स्थान पर संजू सैमसन का चयन होता। सुप्रसिद्ध खिलाड़ी सुनील गावस्कर का कहना है कि मोहम्मद शमी को टीम में होना चाहिए या नहीं, इस पर चर्चा अब बंद हो जानी चाहिए। चूंकि टीम का चयन हो चुका है, इसलिए हमें चयन पर अब सवाल नहीं उठाने चाहिए। खेल विशेषज्ञ मानते हैं कि एक दौर में लगातार टूर्नामेंट जीतने की एक बड़ी वजह महेंद्र सिंह धौनी की कप्तानी रही थी। सन 2016 तक कप्तान धौनी ने हमें किसी न किसी टूर्नामेंट का चौंपियन बनाये रखा। उसके बाद उन्होंने कप्तानी छोड़ दी, पर उनकी बनायी टीम अगले कुछ साल खेलती रही। नतीजतन 2018 में रोहित शर्मा की कप्तानी में हम एशियाई चौंपियन बनने में सफल रहे। उसके बाद टीम का प्रदर्शन गिरता चला गया।साल 2019 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड में हुए एकदिवसीय विश्व कप के सेमीफाइनल में हार गयी। साल 2021 के टी–20 विश्व कप में फिर विराट की कप्तानी में टीम उतरी। इस बार हम सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सके।**– आशुतोष चतुर्वेदी**

सपा से किसी नियम और शिष्टाचार की उम्मीद करना 'कपोल कल्पना' : योगी आदित्यनाथ

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन राज्य की मुख्य विपक्षी समाजवादी पार्टी (सपा) द्वारा आयोजित पैदल मार्च पर तंज कसते हुए कहा कि सपा से किसी नियम और शिष्टाचार की उम्मीद करना 'कपोल कल्पना' है। सोमवार को सदन की शुरुआत से पहले विधान भवन के बाहर योगी आदित्यनाथ से जब पत्रकारों ने सपा के पैदल मार्च को अनुमति देने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि किसी भी दल को, किसी भी व्यक्ति को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखने में कोई बुराई नहीं है। नियमानुसार अगर उन्होंने (सपा) कोई अनुमति मांगी होगी, तो पुलिस उन्हें सुरक्षित और सही मार्ग अवश्य देगी, अनुमति भी देगी, इसमें कोई संदेह नहीं है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लेकिन यह संबंधित और जिम्मेदार नागरिक, संगठन और राजनीतिक दलों का नैतिक दायित्व बनता है कि वे अपने किसी आंदोलन या जुलूस के लिए नियमानुसार अनुमति मांगे। बिना लोक व्यवस्था को भंग किए उस कार्यक्रम को निर्विघ्न संपन्न कराने का दायित्व प्रशासन का है। हालांकि, इसके आगे मुख्यमंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि मुझे लगता है कि समाजवादी पार्टी से यह उम्मीद करना कि वह किसी नियम को मानेगी किसी शिष्टाचार निभाएगी, यह कपोल कल्पना ही कही जा सकती है। सोमवार को विधानसभा सत्र की शुरुआत पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सभी विधायकों के साथ महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल कानून–व्यवस्था और किसान, महिला व युवा उत्पीड़न जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर सपा मुख्यालय से विधानसभा तक पैदल मार्च का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने बीच रास्ते में ही सपा प्रमुख यादव समेत उनके विधायकों को रोक दिया जिसके विरोध स्वरूप वह धरने पर बैठ गये, बाद में उनका धरना समाप्त हो गया। पत्रकारों से बातचीत में योगी आदित्यनाथ ने विधानमंडल के मानसून सत्र की कार्यवाही में भाग लेने आ रहे सभी सदस्यों का हृदय से स्वागत करते हुए कहा कि उत्तरप्रदेश की 25 करोड़ जनता के जनाकांक्षा और अपेक्षा को सदन में रखकर उन समस्याओं के माध्यम से आम जन की संवेदना के साथ अपनी संवेदना को जोड़ने का एक अवसर सभी सदस्यों को मिलेगा। उत्तर प्रदेश के विधानमंडल को देश का सबसे बड़ा विधान मंडल बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वाभाविक रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर विश्वास करने वाले सभी नागरिकों को उत्तर प्रदेश विधान मंडल की कार्यवाही का इंतजार होता है और वे बड़े विश्वास के साथ यहां पर होने वाली उन सभी चर्चाओं का हिस्सा बनकर गौर से देखते हैं। योगी ने दावा किया कि 25 करोड़ की आबादी के हितों के लिए डबल इंजन की सरकार बिना भेदभाव के कार्य कर रही है और समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को शासन की योजनाओं का लाभ प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न चुनौतियों का सामना करते हुए भी उत्तर प्रदेश के अंदर अभाव और अराजकता के लिए कोई जगह नहीं है।

सपा के डीएनए में गुंडागर्दी-माफियागिरी : ब्रजेश पाठक

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा है कि समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोपों की झड़ी लगा दी। उन्होंने कहा कि सपा का कोई दीन ईमान नहीं है। वह गुंडों, माफिया और सड़क छाप मवालियों की पार्टी है। पार्टी के नेता शराब के अवैध कारोबारियों के पैरोकार हैं। इसका उदाहरण बीते दिनों आजमगढ़ में देखने को मिला। सपा के नेताओं ने आजमगढ़ जाकर अवैध शराब कारोबारियों से भेंट कर अपने रिश्तें खुद ही उजागर कर दिए हैं। सपा के पैदल मार्च से हुई अव्यवस्था पर डिप्टी सीएम पाठक ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को घेरा। कहा सपा के नेता भीड़ भाड़ वाले विधानभवन वाले इलाके में अराजकता फैलाने के इरादे से पहुंचे थे। इंटेलीजेंस ने भी कुछ आशंका जाहिर की। भला लोकतंत्र के मंदिर में आने से चुने हुए विधायकों को कोई क्यों रोकेगा? उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने सपा के सारे मंसूबों पर पानी फेर दिया है। उनकी गुंडागर्दी किसी भी सूरत में नहीं चलने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सपा का नाम अराजकतावादी पार्टी होना चाहिए।

अखिलेश यादव को जनता ने पैदल कर दिया तो अब क्या करेंगे : ओम प्रकाश राजभर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के पहले दिन सोमवार को मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के पैदल मार्च पर तंज कसते हुए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि अखिलेश यादव को जनता ने पैदल कर दिया, तो अब क्या करेंगे। उन्होंने दावा किया कि अब अखिलेश यादव को पैदल ही रहना है। विधानसभा सत्र की शुरुआत पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सभी विधायकों के साथ महंगाई, बेरोजगारी, बदहाल कानून–व्यवस्था और किसान, महिला व युवा उत्पीड़न जैसे जनहित के मुद्दों को लेकर सपा मुख्यालय से विधानसभा तक पैदल मार्च का ऐलान किया था। हालांकि, पुलिस ने बीच रास्ते में ही सपा प्रमुख यादव समेत उनके विधायकों को रोक दिया जिसके विरोध स्वरूप वह धरने पर बैठ गये। ओमप्रकाश राजभर ने बातचीत के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि जब पांच साल सत्ता (20122–2017) में थे तब कुछ किया नहीं और आज पैदल घूम रहे हैं। राजभर ने कहा, ''अखिलेश यादव को जनता ने पैदल कर दिया है, तो अब क्या करेंगे। सत्ता में थे तो कश्यप, निषाद, बिंद, राजभर सबको भूल गये थे, पहचानते नहीं थे और अब नाटक कर रहे हैं। सुभासपा प्रमुख ने यादव के अभियान को नाटक बताते हुए कहा कि जनता ने विधानसभा में भेजा है, तो विधानसभा में मुद्दा उठाओ। उन्होंने दावा किया कि अब उन्हें (अखिलेश यादव) पैदल ही रहना है। सदन में सुभासपा के रुख पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में सरकार भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, लेकिन उसकी आड़ में गरीबों को परेशान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जातिवार जनगणना समेत हम तीन–चार प्रमुख मुद्दों को सदन में उठाएंगे। राजभर ने कहा कि 11 मार्च 2022 को उच्च न्यायालय ने भर–राजभर को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का आदेश दिया था, जिसे लागू कराने की वह मांग करेंगे।

संक्षिप्त खबरे

मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी को लोगों ने खूब किया पसंद

लखनऊ। राज्य संग्रहालय में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत सोमवार को मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित मोदी व्यक्तित्व प्रदर्शनी को लोगों ने खूब पसंद किया। प्रदर्शनी में चित्रों के माध्यम से प्रधानमंत्री के जीवन के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला गया है। प्रदर्शनी एक अक्तूबर 2022 तक चलेगी। साधारण परिवार में जन्म लेकर भारत के प्रधानमंत्री पद तक का सफर तय करने वाले नरेन्द्र मोदी के व्यक्तित्व व कृतित्व को सभी लोग जानें, इसी उद्देश्य से प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन संग्रहालय निदेशालय के निदेशक डॉ. आनन्द कुमार सिंह ने किया। इस मौके पर संग्रहालय के सहायक निदेशक डॉ. विनय कुमार सिंह, सहायक निदेशक अलशाज फात्मी, सहायक निदेशक डॉ. मीनाक्षी खेमका आदि मौजूद रहे।

योगी आदित्यनाथ ने विधायकों के लिए लगे स्वास्थ्य शिविर का किया उद्घाटन

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र में भाग लेने वाले सभी विधायकों के लिए स्वास्थ्य शिविर लगाया गया हैं। मानसून सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वास्थ्य शिविर का विधानसभा में उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री समेत सभी विधायकों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उपमुख्यमंत्री बश्जेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य सहित कई विधायक मौजूद रहे।

प्राइमरी स्कूलों को मिले 46 नए शिक्षक

लखनऊ। परिषदीय स्कूलों में 68500 शिक्षक भर्ती के तहत लखनऊ को 46 नए शिक्षक मिल गए हैं। काउंसलिंग से चयनित शिक्षिकों के बीएसए कार्यालय में शैक्षिक प्रमाण पत्रों का मिलान किया गया। बीएसए अरुण कुमार ने बताया कि इन शिक्षकों के स्कूल आवंटन की कार्यवाही पूरी कर स्कूलों में तैनाती दे दी गई। शिक्षकों ने स्कूलों में ज्वाइन कर शैक्षिक कार्य शुरू कर दिया है। जिन स्कूलों में शिक्षकों की कमी थी, वहां इन्हें तैनात किया गया है।

शिवपाल ने सरकार पर कसा तंज, कहा- देश-प्रदेश में हालात ठीक नहीं

लखनऊ। सोमवार को एटा पहुंचे शिवपाल सिंह यादव ने यदुकुल पुनर्जागरण मिशन के सम्मेलन में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में नौकरशाही हावी है। किसान, नौजवान और मुसलमान को लूटा जा रहा है। गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही है। नौजवानों की आवाज को दबाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हम अन्याय को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसके खिलाफ आवाज उठाएंगे। इसके बाद प्रसपा कार्यालय पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। शिवपाल ने मदरसों के सर्वे पर सवाल उठाए। कहा कि सभी स्कूलों की जांच होनी चाहिए। बुलडोजर कार्रवाई पर प्रसपा अध्यक्ष ने कहा कि निर्दोष को न सताया जाए। उन्होंने कहा कि देश–प्रदेश में जो कुछ भी हो रहा है, सब देख रहे हैं। हालात ठीक नहीं है। सबके सामने परेशानियां हैं। खासकर मुसलमानों के साथ मनमानी चल रही है। पहले ऐसा कभी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि समय परिवर्तनशील है। आज जो समय है, वो कल नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि जहां–जहां अन्याय होगा, वहां धरना प्रदर्शन करेंगे। जेल जाना पड़ा तो जेल भी जाएंगे, लेकिन अन्याय बर्दाश्त नहीं करेंगे

फिटनेस का रोल बहुत अहम है, सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है : वीरेंद् सहवाग

लखनऊ। लीजेंड लीग 2022 में सोमवार को मणिपाल टाइगर्स और गुजरात जायंट्स के बीच मुकाबला होगा। शाम 7.30 बजे इकाना स्टेडियम में मैच शुरू होगा। इससे पहले दोपहर में अदाणी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स टीम के कप्तान वीरेंद् सहवाग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की उन्होंने कहा, इस टूर्नामेंट में मेरी पारी शानदार नहीं रही है। पर मैं खुश हूं मेरी टीम मैच जीत रही है। उन्होंने कहा कि दोबारा मैदान पर आकर खुशी हो रही है। उम्मीदें है अपने फैंस का पहले की तरह मनोरंजन तरह करता रहूं। कलकत्ता की तरह लखनऊ में भी हमारी टीम जीत दर्ज करें इसको लेकर कोशिश होगी। सहवाग ने कहा, फिटनेस का रोल हमारी लाइफ बहुत अहम है। मैं खुद को फिट रखने की पूरी कोशिश करता हूं।

मेरी खुद की एक रेपुटेशन है। जिसको बनाए रखने की मेरी कोशिश करता हूं। युवाओं को फिटनेस के आधार पर लीग में खेलने का मौका मिलेगा। हाल में ही 30–35 के कई युवाओं के मौत के मामले सामने आए है। जो बेहद दुखद है बेहतर लाइफ के लिए हम खुद कितना फिट रखना होगा इस दौरान उनके साथ वेंकटेश प्रसाद भी रहें। सहवाग की टीम में उनके साथ क्रिस गेल, डेनियल विटोरी, पार्थिव पटेल, ग्रीम स्वान और अजंता मेंडिस जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं।

धर्मेंद्र महाराज के निधन पर भूपेंद्र सिंह दुखी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने आचार्य धर्मेन्द्र महाराज के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह ने कहा श्रीराम मंदिर आंदोलन के एक प्रमुख सूत्रधार और हिंदू धर्म के एक विराट स्तम्भ पूज्यनीय धर्मेन्द्र महाराज जी के ब्रह्मलीन होने की हृदयविदारक सूचना प्राप्त हुई।

सवा घंटे लखनऊ कोर्ट कस्टडी में रहीं सपना चौधरी

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। मशहूर डांसर सपना चौधरी को सोमवार को लखनऊ की एसीजेएम –5 कोर्ट ने कस्टडी में लिया गया। साथ ही गिरफ्तारी वारंट भी जारी कर दिया गया। वह करीब 1 घंटा 15 मिनट तक कस्टडी में रहीं। इसके बाद उन्हें कस्टडी से मुक्त कर दिया गया। कोर्ट ने सपना चौधरी का वारंट इस शर्त पर खत्म किया कि वह कोर्ट की सुनवाई में पेश होकर सहयोग करेंगी। इसके बाद सपना कोर्ट परिसर से बाहर निकल गईं। डांस प्रोग्राम में न पहुंचने और टिकट का पैसा न लौटाने के 4 साल पुराने मामले में वारंट जारी हुआ था। सपना ने 10 मई को सरेंडर कर अंतरिम जमानत ली थी। 8 जून को उनकी नियमित जमानत भी सशर्त मंजूर हुई थी। इसी साल 26 मई को मास्क लगाकर गुपचुप तरीके से सपना चौधरी कोर्ट पहुंची थीं। लखनऊ की एसीजेएम –5 की कोर्ट में 3 घंटे तक वह बैठी रहीं। वह धोखाधड़ी मामले में अंतरिम जमानत पर चल रही हैं। इंस्पेक्टर फिरोज खान ने 14 अक्टूबर, 2018 को सपना के खिलाफ आशियाना थाने में मामला दर्ज किया था। उनके मुताबिक, 13 अक्टूबर को लखनऊ के स्मृति उपवन में उनका प्रोग्राम होना था। यह शो दोपहर 3 बजे से रात 10 बजे के बीच होना था। इस इवेंट के हजारों टिकट पहले ही बिक चुके थे। जब सपना शो में नहीं आईं, तो भीड़ ने हंगामा मचाना शुरू कर दिया। शो के ऑर्गनाइजर्स ने भीड़ के टिकट के पैसे भी नहीं लौटाए। इवेंट के ऑर्गनाइजर्स जुनैद अहमद, नवीन शर्मा, इवाद अली, अमित पांडे और रत्नाकर उपाध्याय भी इस मामले में आरोपी हैं। कोर्ट में पेश न होने पर 17 नवंबर 2021 को सपना चौधरी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया। इसके बाद 23 नवंबर 2021 को सपना चौधरी ने गिरफ्तारी वारंट निरस्त करने की मांग की थी। इसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

मुख्य सचिव ने नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने नगर विकास विभाग के कार्यों की समीक्षा की। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने कहा कि लेटेस्ट टेक्नोलॉजी को अपनाकर कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि सभी पैरामीटर्स में प्रदेश टॉप पर हो, इसके दृष्टिगत ही रोडमैप तैयार किया जाये। उन्होंने सभी शहरी निकायों में ऑनलाइन मानचित्र स्वीकृत किये जाने की प्रणाली लागू करने के लिए अधिकारियों को विस्तृत कार्य योजना शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी प्रोजेक्ट निर्धारित समयसारिणी के अनुसार पूरे हों, इसके लिए नियमित रूप से गहन समीक्षा एवं सतत् मॉनीटरिंग की जाये। सभी शहरों में स्वच्छ पेयजल आपूर्ति के लिए सिटी वाटर एक्शन प्लान का कार्य जल्द पूर्ण किया जाए।

यूपी कांग्रेस कमेटी में राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने पर सहमति

लखनऊ। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए यूपी में हुई कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई, जिसमें राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए सहमति जताई गई है। अब तक पांच राज्यों ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाए जाने का प्रस्ताव पास किया है। राजस्थान, गुजरात, छत्तीसगढ़ के बाद बिहार और तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी को पार्टी की कमान सौंपने के संबंध में प्रस्ताव पास किया है। फिलहाल सोनिया गांधी पार्टी की कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वह स्वास्थ्य कारणों से अधिक सक्रिय नहीं हैं। कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव 17 अक्तूबर को होगा। कार्यक्रम के तहत नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 24 सितंबर से 30 सितंबर तक चलेगी। नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 8 अक्तूबर है। चुनाव 17 अक्टूबर को होगा और परिणाम 19 अक्तूबर को आएंगे। कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश के साथ पूरे देश में अपनी खोई हुई जनाधार वापस पाने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इसी के मद्देनजर राहुल गांधी श्भारत जोड़ो यात्राश् लेकर निकले है। बता दें, कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' 7 सितंबर को कन्याकुमारी से शुरू हुई थी, जो कश्मीर में समाप्त होगी। कांग्रेस की यह यात्रा 150 दिन में 3570 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटका मिला नवविवाहिता का शव

लखनऊ। बीबीडी इलाके में एक नव विवाहिता का शव रविवार को संदिग्ध परिस्थिति में फंदे से लटकता मिला। मृतका की मां ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। आजमगढ़ बिलरियागंज के पटवहा कौतुक निवासी राजमति के मुताबिक वर्ष 2018 में बेटी कांति उर्फ मनीषा (25) की शादी विक्रम के साथ की थी। शादी के बाद विक्रम बेटी कांति के साथ बीबीडी के तिवारीगंज स्थित सिलवर लाइन अपार्टमेंट में बेटी किराए पर रह रहा था। साथ में ही देवर विजय और देवरानी पूजा भी रहते थे। शादी के कुछ समय बाद से ही पति व परिवार के लोग दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने लगे। कई बार बेटी के ससुराल वालों को समझाया पर वह मानने को तैयार नहीं थे। रविवार को विक्रम ने फोन कर बेटी की तबियत खराब होने की सूचना दी। आनन–फानन में वह घर पहुंची तो देखा कि बेटी का शव पंखे के कुंडे के सहारे फंदे से लटका हुआ था।

देवरिया हादसा: दो मंजिला मकान गिरने से 3 की मौत पर सीएम योगी ने जताया दुख

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के सदर कोतवाली क्षेत्र में सोमवार को तड़के दो मंजिला पुराना मकान अचानक गिर गया, जिससे उसमें दबकर एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना पर दुख व्यक्त करते हुए जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्य शुरू करने के निर्देश दिए है।

बता दें कि पुलिस के अनुसार देवरिया शहर में जब तड़के मकान गिरा उस समय सभी सो रहे थे। इस हादसे में एक बच्ची और उसके माता, पिता की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिकघ मकान काफी पुराना और जर्जर हालत में था। मुख्यमंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक इस घटना पर सीएम योगी ने संज्ञान लेकर मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने देवरिया के जिलाधिकारी और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को घटनास्थल पर तत्काल पहुंचने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मृतकों के परिजनों को राहत कोष से चार लाख रुपए की सहायता राशि देने के भी निर्देश दिए हैं। इस घटना में दिलीप, चांदनी व एक मासूम बच्ची पायल की मृत्यु हो गई। लेकिन मकान में रहने वाली प्रभावती देवी उम्र 60 वर्ष दुर्घटना होने से करीब 10 मिनट पहले लघुशंका के लिए करीब 3 बजे घर के बाहर गली में निकली थी। उसी दौरान मकान की नींव भरभरा कर गिर गई। जिससे प्रभावती को भी हल्की चोट लगी है। वहीं, प्रभावती देवी ने यह बताया कि वह 50 साल से इस किराए के मकान में रह रहे है। उनकी मां रामरति देवी किराए पर मकान ले कर रखा था, उसी समय से सभी लोग गुजर–बसर कर रहे थे। देवरिया शहर के कई मोहल्लों में सैकड़ों साल पुरानी जर्जर मकान हैं। जिसमें सैकड़ों लोग परिवार सहित रहते हैं। उसमें कई ऐसे मकान हैं जिसमें किराएदारी को लेकर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है कानूनी दांवपेच के चलते लोग मकान नहीं खाली कर रहे हैं।

जिलाधिकारी सहित कई विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रदर्शनी का किया अवलोकन

प्रयाग दर्पण संवाददाता

प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री, सोमवार को अखिल भारतीय सरदार पटेल सेवा संस्थान, अलोपीबाग में सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सौजन्य से 23 सितम्बर तक चलने वाली मा0 प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से सम्बंधित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी, आमजन एवं स्कूली बच्चों के लिए बहुत ही प्रेरणादायी एवं उपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनी के अवलोकन के लिए अधिक से अधिक लोगों को जागरूक एवं प्रेरित किया जाये, जिससे कि लोग प्रदर्शनी स्थल पर पहुचंकर मा0 प्रधानमंत्री जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सम्बंधित चित्र प्रदर्शनी से प्रेरणा लें एवं योजनाओं से सम्बंधित चित्र प्रदर्शनी से योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उससे लाभान्वित हों।सोमवार को प्रदर्शनी स्थल पर विभिन्न विद्यालयों जिनमें उच्च प्राथमिक विद्यालय अलोपीबाग, प्राथमिक विद्यालय सोहबतियाबाग, उच्च प्राथमिक विद्यालय दारागंज, राजकीय इण्टर कालेज, सीएवी इण्टर कालेज, राधारमण इण्टर कालेज सहित अन्य विद्यालयों के काफी संख्या में छात्र–छात्राएं भी पहुंचकर प्रदर्शनी का बड़े ही तन्मयता से अवलोकन करते हुए प्रदर्शनी के बारे में जानकारी प्राप्त की। स्कूली छात्र–छात्राओं के साथ सम्बंधित विद्यालयों के अध्यापकगण एवं जिला विद्यालय निरीक्षक श्री पी0एन0 सिंह सहित काफी संख्या में छात्र–छात्राओं ने प्रदर्शनी को देखा। इसके साथ–साथ काफी संख्या में आमजनमानस भी प्रदर्शनी स्थल में पहुंचकर प्रदर्शनी को देखा।

प्रदेश में नई पर्यटन नीति में 25 लाख लोगों को रोजगार देने का लक्ष्य,धार्मिक स्थलों पर मिलेगी अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सुविधा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यूपी में पर्यटन मे निवेशकों के लिए बड़े पैमाने पर सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। आगामी पांच वर्षों मे विदेशी पर्यटकों के वशद्धि की संभावना है। जिससे 25 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रक्रियाधीन पर्यटन नीति के तहत दस हजार करोड़ रूपये से अधिक निवेश का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को एक जिला एक पर्यटन केन्द्र के तहत प्राप्त किया जायेगा। हिमांचल प्रदेश में पर्यटन एवं अवस्थापना सुविधाओं के विकास विषय पर आयोजित 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री किशन रेड्डी मौजूद रहे। राष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न प्रदेशों के पर्यटन मंत्री, केन्द्रशासित प्रदेशों के एलजी, प्रशासक, वरिष्ठ अधिकारी, भारत सरकार, पर्यटन मंत्रालय के उच्चाधिकारी, राज्यों के पर्यटन विभागाध्यक्ष एवं सेवाक्षेत्र के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। उत्तर प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि सड़क, रेल, वायु तथा जल मार्ग के माध्यम से सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को जोड़ने के लिए अवस्थापना विकास के लिए बजट में 940 करोड़ रूपये का प्राविधान किया गया है। पर्यटन के विकास की दृष्टि से प्रदेश को 12 सर्किट में बांटा गया है। सभी सर्किटों पर बुनियादी सुविधाओं के विकास पर कार्य तेजी से चल रहा है। बहुत से कार्य पूर्णता के अंतिम चरण में हैं। साथ ही ब्रज परिपथ में मथुरा, वृन्दावन, आगरा, रामायण परिपथ में लखनऊ, प्रयागराज के बीच के सभी स्थान एवं वन इको टूरिज्म, साहसिक पर्यटन स्थल, जल विहार, हेरिटेज आर्क के रूप में आगरा, लखनऊ एवं वाराणसी को जोड़कर बनाया जा रहा है। इसके अतिरिक्त महाभारत मेरठ, हस्तिनापुर, जैन परिपथ, सूफी परिपथ शामिल हैं। इसके अलावा बौद्ध परिपथ के अंतर्गत लुम्बिनी, बोध गया, नालन्दा, राजगिरी, बैशाली, सारनाथ, श्रावस्ती, कुशीनगर, कौशाम्बी जैसे स्थलों को जोड़ा गया है। पर्यटन मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित स्वदेश दर्शन स्कीम की नई गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश की वैभवशाली सांस्कृतिक विरासत को देखते हुए विन्ध्याचल, नैमिषारण्य, प्रयागराज, चित्रकूट, संगिसा, आगरा, कानपुर, झांसी, महोबा, गोरखपुर एवं कुशीनगर को अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किये जाने के लिए भारत सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है। इसके अतिरिक्त प्रदेश में इको टूरिज्म बोर्ड के गठन के साथ वेलनेस टूरिज्म के लिए तैयार किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस अवसर पर केन्द्रीय पर्यटन सचिव अरविन्द सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत किया, इसके पश्चात केन्द्रीय पर्यटन रक्षा मंत्री अजय भट्ट, एफएआईटीएच फेडरेशन के चेयरमैन नकुल आनन्द, अध्यक्ष भारतीय पर्यटन विकास निगम संबित पात्रा ने सम्बोधित किया। यूपी के प्रमुख सचिव पर्यटन मुकेश मेश्राम एवं अन्य अधिकारी इस सम्मेलन में मौजूद थे।

हथौड़े से मारकर कर दिया पत्नी की हत्या

प्रयागराज। प्रयागराज में एक युवक ने अपनी पत्नी पर हथौड़े से हमला कर दिया। इसके बाद वह खून से लथपथ हथौड़े को लेकर थाने पहुंचा। पुलिस को बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या की है। यह सुनते ही पुलिस चौकी के आरक्षक हरकत में आ गए। युवक को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी गईपत्नी से विवाद में सिर पीटकर हत्या घटना यमुनापार के नैनी थाना क्षेत्र की है. दांडी क्षेत्र निवासी शिव प्रताप (बबलू) राजमिस्त्री का काम करता है। पुलिस के मुताबिक उसकी शादी सोनी (24) से दस साल पहले हुई थी। उनके तीन बच्चे हैं। सुबह करीब 11 बजे बच्चे स्कूल जा रहे थे। इस दौरान शिव प्रकाश और सोनी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। झगड़ा इतना बढ़ गया कि शिव प्रकाश ने गुस्से में आकर पत्नी के सिर पर हथौड़े से वार कर दिया। जिससे पत्नी की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने पड़ोसियों से बात कर मामले की जानकारी ली। हत्या कर खुद थाने पहुंचे इसके बाद शिव प्रताप सीधे गंगोत्री नगर पुलिस चौकी पहुंचे। उसने पुलिस से कहा कि मुझे गिरफ्तार करो। मैंने अपनी पत्नी को मार डाला है। पुलिस आरोपी को लेकर मौके पर पहुंची तो महिला के सिर से खून बह रहा था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के सामने आरोपी ने कबूला गुनाह सीओ करछना अजीत प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपी शिव प्रताप को गिरफ्तार कर लिया गया है. उससे पूछताछ की जा रही है. उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

भावी पीढ़ी के रचनाकारों को अपने पूर्वजों के मार्ग का अनुसारण करना चाहिए : अजय गुरु

प्रयाग दर्पण संवाददाता

e l kyh]ckjkcdhA भारतीय संस्कृति, भारतीय साहित्य, काव्य के विभिन्न उपादानों की समझ रचनाकारों के लिए अत्यंत आवश्यक है। उक्त उद्गार शिवगंगा साहित्य सेवा समिति मसौली के तत्वावधान में शिव गंगा मैरिज लाल में आयोजित मासिक काव्य गोष्ठी में डॉ बश्ज किशोर पांडेय ने व्यक्त किए। गोष्ठी का आरंभ रवि अवस्थी की वाणी वंदना से हुआ। गोष्ठी को संबोधित करते हुए अजय सिंह गुरु जी ने कहा कि भावी पीढ़ी के रचनाकारों को अपने पूर्वजों के बताए गए मार्ग के अनुसार काव्य रचना के लिए प्रवस्त्त होना चाहिए। डॉ. बलराम वर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें अपने परिवेश में साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समन्वय स्थापित करते हुए स्वस्थ चिंतन परंपरा का प्रवर्तन करना होगा। वीणा सुधाकर ओझा महाविद्यालय के शैक्षिक समन्वयक दिनेश सिंह ने कहा कि साहित्य हमारे दैनिक जीवन की दिनचर्या का हिस्सा होना चाहिए। कवयित्री लता श्रीवास्तव ने पढ़ा सारे संसार में भारत का ऊंचा नाम हो जाए, हर बेटी बने सीता और बेटा राम हो जाए। रामानंद लाल ने बेटियों पर गीत पढ़ा क्या नहीं कर रही हैं मेरी बेटियां। अशोक सोनी ने पढ़ा शौर्य नर नाहर के राक्षसों का अघ घोर, नारि मर्यादा का सिंगार लिखा मानस में। मनमोहन निगम साहिल ने पढ़ा सूना सूना सजन मन का आंगन मेरा, है तुम्हारे लिए बस तुम्हारे लिए, रोशनी अब रहे ना रहे गम नहीं तुम अगन बन जला दो प्रणय के दिए। नागेंद्र सिंह ने पढ़ा आरसीसी द्वारे का मुहारे तक बनी मुला सेखर की रास्ता में आजौ भरा पानी, सोहन आजाद ने पढ़ा, सुहाना फिर हुआ मौसम चले आओ चले आओ, हुई है आंख फिर ये नम चले आओ चले आओ। आईपी सिंह ने पढ़ा मात, पिता, गुरु, अग्रज और सुजान, इन पांचों के सामने मत कर कीर्ति बखान। रामकिशुन यादव ने कहा सूर, तुलसी, कवि कालिदास हो गए। कवयित्री साधना कंवल ने पढ़ा ऐसी शम्मा नहीं हूं कि बुझ जाऊंगी, हीरे मोती नहीं हूं कि लूट जाऊंगी। प्रदीप महाजन ने पढ़ा रत्नावली बात हिया चुभिगै, वहिसे तुलसी बनिगे तुलसी। अजय सिंह अटल ने पढ़ा भूमि से अज्ञान का शासन मिटाना चाहता हूं, मैं भी गुरु बन ज्ञान का दीपक जलाना चाहता हूं। ओपी वर्मा ओम में पढ़ा भारत की शक्ति को देश के दे सके चुनौती कोई, ऐसा कोई शूरवीर देश नहीं आज है। ख्यात शिल्पी मौर्य ने पढ़ा सत्ता का लोभ नहीं बंधु ये समझो धर्म दांव पर था। अनिल श्रीवास्तव लल्लू ने पढ़ा कलयुग में बजरंगबली अंतर्ध्यान हो गए, उनकी जगह गांव के परधान हो गए। गोष्ठी का संचालन कर रहे रवि अवस्थी ने पढ़ा जैसे कोई अब सश्जन का, रथ कभी रुकने न देगा। प्रेम की गंगाजली का जल, कभी चुकने न देगा। राष्ट्र के निर्माण में यूँ हैं, सतत वो अनवरत रत, जैसे कोई भारती के, भाल को झुकने न देगा। शिव गंगा साहित्य समिति के अध्यक्ष राजकुमार सोनी ने पढ़ा सबको बाट सजाना होगा, अपना धर्म निभाना होगा, सोन चिरैया बने देश यह, मिलकर कदम बढ़ाना होगा।

दीवार गिरने से महिला की मौत, मासूम घायल

jke l uigh?kkV]ckjkcdhA तहसील रामसनेहीघाट क्षेत्र अंतर्गत पूरे शिव बक्श मजरे धारूपुर में एक कच्ची दीवार गिरने से एक महिला की मौत व एक भैंस सहित एक दो वर्षीय बालक चोटिल हो गये।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक सोमवार की सुबह 10 बजे गांव पूरे शिव बक्श मजरे धारूपुर निवासी जगदंबा पत्नी रामदुलारी उम्र 57 वर्षीय अपने घर के दरवाजे के पास बैठी दो वर्षीय नाती अंकित पुत्र संतोष को गोद में लेकर खिला रही थी तभी दरवाजे वाली दीवार भरभरा कर गई।

दीवार छप्पर सहित गिर जाने से उसके नीचे दबकर जगदंबा की मौत हो गई। उसी समय दीवार के नीचे उनका दो वर्षीय नाती भी आ गया। जिससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गया। और वही पर बंधी भैस भी चोटिल हो गई। जिसे इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल भेजा गया। मौके पर राजस्व विभाग की टीम व असंद्रा की पुलिस ने पहुंचकर आवश्यक लिखा पढ़ी करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया है।

दशहरा पर अयोध्या में होंगे कई फिल्म स्टार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। अयोध्या की रामलीला में दशहरा अर्थात रावण दहन के दिन अयोध्या में कई बड़े फिल्म स्टार मौजूद रहेंगे। दीपिका चिखोलिया जो कि रामायण में सीता की भूमिका निभा चुकी हैं। उनके अलावा आशीष शर्मा,सोनारिका भदौरिया,आशीष शर्मा ,अंकित शर्मा,गोविंद नामदेव और भजन सम्राट अनूप जलोटा के अलावा फिल्म प्रोड्यूसर करण राजदान अपनी फिल्म हिंदुत्व की स्टार कास्ट के साथ शामिल होंगे। 25 सितंबर से अयोध्या की रामलीला का तीसरा संस्करण लक्ष्मण किला सरयू नदी के किनारे शुरू होगा। रामलीला का आयोजन उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ और माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जय वीर सिंह और अयोध्या की रामलीला के मुख्य संरक्षक प्रवेश साहिब वर्मा (भाजपा सांसद) के सहयोग से हो रहा है। अयोध्या की रामलीला के कमेटी के अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है, 2020 में 16 करोड़, 2021 में 22 करोड़ से ज्यादा अयोध्या की रामलीला का लाइव टेली कास्ट देख चुके हैं। इसका प्रसारण दूरदर्शन और कई सेटेलाइट चौनल और सोशल मीडिया यूट्यूब पर होता है। भाग्य श्री,राकेश बेदी, रजा मुराद, गुफी पेंटल,और कई बॉलीवुड की महान हस्तियां अयोध्या की रामलीला में काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या कि रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। भगवान श्री राम के भक्तों ने इसे विश्व की सबसे बड़ी रामलीला बनाया है। अयोध्या कि रामलीला इस साल अपने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ देगीस अयोध्या कि रामलीला में इस बार 1600 वर्ग फुट का एलईडी सेट तैयार हो रहा हैं। बॉलीवुड की कई महान हस्तियां अयोध्या कि रामलीला में काम कर रही हैं अयोध्या कि रामलीला कमेटी के फाउंडर अध्यक्ष सुभाष मालिक(बॉबी) ने बताया कि रामलीला का तीसरा संस्करण लाइव दिखाया जाएगा। इसे शाम 7 से रात 10 बजे तक दूरदर्शन पर देख पाएंगे। रामलीला में राम की मुख्य भूमिका राहुल भूचर तथा सीता की भूमिका दीक्षा रैना निभा रहीं हैं।

संक्षिप्त खबरे

सांसद ने बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को सुना लंच पैकेटों का किया वितरण

बाराबंकी। तहसील रामनगर के अंतर्गत ग्राम हेतमापुर में बाढ़ क्षेत्र का निरीक्षण सांसद उपेन्द्र सिंह रावत ने किया। सांसद श्री रावत ने हेतमापुर के बंधे पर बाढ़ पीड़ितों की समस्याओं को सुना तथा तत्काल सम्बन्धित अधिकारियों को दूरभाष से वार्ता कर राहत सामग्री व अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए निर्देशित किया। इसके उपरांत सांसद श्री रावत ने बाढ़ पीड़ितों को राहत स्वरूप लंच पैकेटों का वितरण भी किया। इस मौके पर मण्डल अध्यक्ष सुशील, ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हरायन, पूर्व प्रमुख आशीष सिंह, किसान मोर्चा जिलामंत्री रामानन्द वर्मा, शिवकुमार शर्मा, सौरभ शुक्ला, ग्राम प्रधान गण व अन्य लोग उपस्थित रहें।

पन्द्रह हजार कर इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

ckjkcdhA थाना मसौली पुलिस द्वारा गैंगस्टर एक्ट में वांछित व 15,000 रुपये का इनामियां अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। जनपद बाराबंकी में अपराध एवं अपराधियों पर अंकुष लगाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत आज थाना मसौली पुलिस द्वारा मु०अ०सं० 369/22 धारा 3(1) यू०पी० गैंगस्टर एक्ट में वांछित 15,000 रुपये का इनामियां अभियुक्त पवन कुमार पाण्डेय पुत्र जयकरन पाण्डेय निवासी जमडवा थाना रामसनेही घाट जनपद बाराबंकी को लखनऊ–अयोध्या मार्ग से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु अनुराग वत्स पुलिस अधीक्षक द्वारा 15,000 रुपये का पुरस्कार घोशित किया गया था।

रेप का फरार आरोपी गिरफ्तार, रेप का वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर रहा था

बहराइच। एक युवती के साथ युवक ने रेप कर उसका वीडियो बनाकर ब्लैकमेल करने लगा। युवती के इनकार पर उसका वीडियो वायरल कर दिया। इस मामले में केस दर्ज होते ही आरोपी फरार हो गया था। रविवार को पुलिस ने उसे दबोच लिया है। देहात कोतवाली में तैनात निरीक्षक अपराधा संतोष कुमार यादव, सिपाही अशोक कुमार यादव, सूरज सिंह ने रविवार शाम गोलवा घाट के पास दबिश देकर युवक को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान हरदोई जिले के शाहाबाद थाने के चौक मोहल्ला निवासी गोपाल गुप्ता उर्फ कृष्ण गुप्ता के रूप में हुई है। कोतवाल सत्येन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी को जेल भेजा गया है।

विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

बहराइच। बौंडी इलाके में ताबड़तोड़ चोरियों की वारदातें हो रही हैं। रविवार रात चोर एक विद्यालय का ताला तोड़कर हजारों की सम्पत्ति चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह शिक्षकों के आने पर घटना की जानकारी हुई। प्रधान शिक्षक ने थाने में इसकी तहरीर दी है। बौंडी थाने के अमवा तेतारपुर में प्राथमिक विद्यालय के किचन का रविवार देर रात चोरों ने ताला तोड़ डाला। किचन में घुसकर चोरों ने दो भगोना व अन्य सामान उठा ले गए। रविवार सुबह जब शिक्षकों का विद्यालय आना हुआ, तब उन्हें इसकी जानकारी हुई। प्रधान शिक्षक ने थाने में तहरीर दी है।

लिफ्ट बनाने के नाम पर फ्राड, वाराणसी के ठेकेदार पर केस

बस्ती। कोतवाली में तहरीर देकर पचपेड़िया रोड डढवा पटेल चौक स्थित मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल की डॉ. निधि गुप्ता पत्नी डॉ. डीके गुप्ता ने आरोप लगाया है कि उनके साथ छल–कपट करके सात लाख रुपया लिफ्ट बनाने के नाम पर ले लिया। लिफ्ट कार्य न करने पर पैसा वापस मांगा तो देने से मना कर दिया। पुलिस ने सीता राम तिवारी निवासी एसआरएस एलीवेटर्स इण्डिया प्राइवेट लिमिटेड, 739ध्2 निकट लालबहादुर शास्त्री इण्टरनेशनल एअरपोर्ट बावतपुर वाराणसी के खिलाफ आईपीसी 420, 406 के तहत केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

दुर्गा मंदिर में प्रेमी युगल ने लिए सात फेरे, एक साल से दोनों के बीच था प्रेम संबंध

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के रमवापुर निवासी युवती व कलवारी थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी युवक ने परिवार वालों के सामने दुर्गा मंदिर में सात फेरे लिए। दोनों के बीच करीब एक वर्ष से प्रेम संबंध था। युवती के घर में पकड़े जाने के बाद युवक को पुलिस थाने ले गई थी। जहां दोनों पक्षों की सहमति के बाद विवाह हुआ। रविवार रात नगर थाना क्षेत्र के रमवापुर निवासी रामराज के घर में एक युवक घुस आया। इसकी भनक लगने पर रामराज ने डायल 112 पर इसकी सूचना दे दी। कुछ ही देर में पुलिस पहुंच गई और युवक को पकड़कर थाने पर ले गई। सुबह दोनों के परिवार के लोग भी थाने पर पहुंचे।

जुलूस परचम ए मोहम्मदी की तैयारियों को लेकर बज्म ए रहमत की बैठक सम्पन्न

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जलसा ए ईद मिलादुन्नबी वह जुलूस पर्चम ए मोहम्मदी (सल्लल्लाहु तआला अलैही वसल्लम) की तैयारियों लेकर एक अहम बैठक हाफिज इशरत अली अंसारी के आव्हान पर बुलाई गई। मीटिंग की शुरुआत तिलावते कलाम पाक से की गई। मीटिंग का मुख्य मुद्दा जलसा ए ईद मिलादुन्नबी वाह जुलूस परचम ए मोहम्मदी (सल्लल्लाहु तआला अलैही वसल्लम) की तैयारियों का जायजा लिया गया। दूसरा मुद्दा बज्म ए रहमत बाराबंकी के सदर हाफिज इशरत अली अंसारी की बेटी की शादी होने की वजह से अपने प्रार्थना पत्र बज्म ए रहमत के सचिव एडवोकेट अब्दुल हक साहब को देकर सदर साहब ने चंद दिनों की छुट्टी ली है और अपने पद पर बज्म के सभी सदस्यों की सहमति से कारी अजीम मसायखी और शरीफुल हक उर्फ जफर अंसारी को कार्यवाहक अध्यक्ष नियुक्त किया गया है जिसका सभी पदाधिकारियों ने सदस्यों ने स्वागत किया है और मुबारकबाद दी है। मीटिंग में बज़्म ए रहमत बाराबंकी के सभी सदस्य मौजूद रहे। जिसमें मुख्य रुप से हाफिज इशरत अली, कारी अजीम, कारी कलाम बंकी, शरीफुल हक उर्फ (जफर अंसारी), सैयद हबीब मियां, एडवोकेट अब्दुल हक साहब, एडवोकेट अख्तर वारिस, इरफान कुरैशी, ताज बाबा सभासद, सिद्दीक चौधरी, शेखू राईन, मोइनुद्दीन अंसारी, हिदायत रसूल, हाजी इदरीश पान वाले, हफीज सलमानी, वेश सलमानी, जावेद राईन, हमीदुल्लाह राईन, मोहम्मद तालिब, वली उर रहमान, फैज अंसारी आदि लोग उपस्थित रहे।

मुठभेड़ में गिरफ्तार चार पशु तस्करों पर गैंगस्टर

बस्ती। नगर बाजार थाना क्षेत्र के बक्सर भौसिंहपुर बाग में 15 जून को हुई मुठभेड़ में पकड़े गए चार पशु तस्करों पर पुलिस ने गिरोह बंद अधिनियम के तहत कार्रवाई की है। मुठभेड़ के समय इनमें से एक पशु तस्कर के पैर में गोली लगी थी। एसओ धर्मेंद्र कुमार तिवारी ने बताया कि गिरोह के सरगना समेत चार गुर्गों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई है। इनमें दिलीप उर्फ करिया निवासी खुटहन थाना नगर, शमशुद हुदा उर्फ शमशुल दोहा निवासी महरू टोला पिपरा कनक थाना पटहेरवा जनपद कुशीनगर, अदालत व मैनुद्दीन निवासी लटवा मुरलीधर थाना तरया सुजान जनपद कुशीनगर शामिल हैं। इन सभी पर नगर थाने में पशु क्रूरता अधिनियम, गोवध निवारण अधिनियम, हत्या का प्रयास समेत अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। 15 जून को चारों पशु तस्कर पिकअप लेकर बक्सर भौसिंहपुर की बाग में पहुंचे थे। वहां पहले से इकट्ठा किए गए गोवंशीय पशुओं को क्रूरतापूर्वक पिकअप में लाद रहे थे। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी की तो तस्करों की तरफ से फायरिंग की जाने लगी।

संविदाकर्मी की मौत के आरोपी पुलिसकर्मियों को बर्खास्त करने की मांग

गोण्डा। अपने साथी की मौत पर नाराज बिजली विभाग के संविदा कर्मियों ने जिला बिजली निगम के जिला मुख्यालय पहुंचकर धरना देकर विरोध प्रदर्शन किया। नाराज विद्युत कर्मचारियों की मांग है कि संविदा कर्मी की ड्यूटी के दौरान थाने में बुलाकर मारने में संलिप्त पुलिसकर्मियों पर 302 के तहत मुकदमा लिखा गया और पुलिस कर्मियों को बर्खास्त किया जाए और उनके वेतन से काटकर 50 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाए। नहीं तो यह प्रदर्शन और विरोध चलती रहेगी। बीते दिनों पुलिस कस्टडी में विद्युत कर्मी देवा यादव की मौत हो गई थी। जिसके बाद जमकर बवाल और तोड़फोड़ हुई थी। पुलिस ने इसमें कुछ विद्युत कर्मचारियों पर भी एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस अधीक्षक ने पहले ही प्रभारी निरीक्षक और एसओजी प्रभारी को सस्पेंड करते हुए 302 का मुकदमा लिखवा दिया था। कल 8 और संलिप्त पुलिसकर्मियों पर कार्यवाही करके उन को सस्पेंड कर दिया गया है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पुलिस लगातार धमकी दे रही है कि वहां मुकदमा लिखा गया है। अब आंदोलन खत्म करो। मध्यांचल विद्युत संविदा कर्मचारी संघ के पदाधिकारी प्रवीन कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि हम लोगों ने पहले ही एक मांग पत्र अधिकारियों को भेज दिया था लेकिन उसके बाद भी हम लोगों की मांग नहीं मानी गई, जिसके बाद आज हम लोगों ने धरना शुरू किया है। कल हम लोग कार्य बहिष्कार करके पूर्ण रूप से धरने पर बैठेंगे।

मगरमच्छ दिखने से लोगों में दहशत

बहराइच। नहर से निकले नाले में डेढ़ माह पूर्व दिखाई दिया मगरमच्छ का बच्चा भारी बारिश में जलभराव के चलते अब आबादी में दस्तक देने लगा है। जिससे ग्रामीणों में दहशत है। लोग मवेशियों को लेकर चिंतित है। डेढ़ माह पूर्व जलस्तर कम होने पर भी वन महकमे की टीम मगरमच्छ के बच्चे को नहीं पकड़ पाई थी। अब नहर,नाला व तालाब का जलभराव मगरमच्छ के भ्रमण कर रहा है, जिससे ग्रामीण काफी डरे हुए हैं। बहराइच वन प्रभाग के कैसरगंज रेंज का अमवा तेतारपुर गांव बौंडी थाने में आता है। यहां पांच दिनों में लगातार चार दिनों तक हुई बारिश से जलस्तर इतना बढ़ गया, कि बारिश का पानी गांव के किनारे तक जा पहुंचा। वहीं पानी बढ़ने की वजह से मगरमच्छ का बच्चा घनी आबादी में जा पहुंचा। ग्रामीणों ने बताया कि रविवार रात 8.30 बजे घर के सामने मगरमच्छ का बच्चा दिखाई दिया।

नवजात के मौत मामले की जांच करेगी टीम

बस्ती। महिला अस्पताल में प्रसूता के साथ बरती गई लापरवाही और नवजात की मौत के मामले में जांच टीम गठित की गई है। तीन सदस्यीय डॉक्टरों की टीम को दो दिन के भीतर जांच रिपोर्ट देने के निर्देश दिए गए हैं। जानकारी के अनुसार दुबौलिया थाना क्षेत्र के सेमरा मुस्तहकम गांव निवासी गायत्री (23) पत्नी जय प्रकाश को प्रसव पीड़ा होने पर 16 सितंबर की शाम 6.20 बजे महिला अस्पताल लाया गया था। आरोप है कि ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने गर्भवती की जांच के बाद अल्ट्रासाउंड कराने के लिए

परिजन अल्ट्रासाउंड के लिए बाहर ले जा रहे थे, तभी सड़क पर प्रसव हो गया। परिजनों के अनुसार गर्भवती का पहला प्रसव ऑपरेशन से हुआ था। दूसरा प्रसव भी ऑपरेशन से कराने की डॉक्टर ने सलाह दी थी, लेकिन नार्मल प्रसव हो गया। अस्पताल प्रशासन ने प्रसूता व नवजात को अस्पताल के वार्ड में लाकर भर्ती कराया। बाद में नवजात की मौत हो गई। इसके बाद प्रसूता को भी डॉक्टर ने कैली हास्पिटल रेफर कर दिया था।

परिजन घटना को लेकर नाराज थे, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई थी। परिजनों ने जांच कर कार्रवाई की मांग की थी। प्रकरण में जांच के लिए सीएमएस डॉ. केडी पांडेय ने तीन सदस्यीय टीम गठित की है। इसमें डॉ. सुधांशु द्विवेदी, डॉ. संतोष मौर्य व डॉ. पंकज शुक्ल शामिल हैं।

लोगों में सिर्फ बुराई ढूँढने वाला दुनिया व आखेरत दोनो में जलील होता है

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जिसने साढ़े चार साल की हुकूमत एक कपड़े में और सूखी रोटी खाकर गुजार दी लेकिन प्रजा की जरूरते पूरी की उसे अली इब्ने अबी तालिब कहते हैं। अगर दुनियां के हाकिमों ने अली अ की आइडियालॉजी अपनाई होती तो किसी मुल्क में जुल्म व बे इंसाफी नहीं होती। दिलों पर हुकूमत करना चाहते हो तो लोगों पर एहसान करो। यह बात दयानन्द नगर स्थित अली कालोनी में मरहूम सैयद मोहम्मद हुसैन आब्दी साहब के अजाखाने में मजलिस को खतिाब करते हुए जाकिर ए अहलेबैत अब्बास ने कही। उन्होने यह भी कहा कि जिसने अली की मोहब्बत का इंकार किया खुदा की नजर में लानती हो गया। अपनी मजलिसों को जीनत दो जिक्रे अली इब्ने अबी तालिब से, क्योकि अली का जिक्र इबादत है। जिसकी साढ़े चार साल की हुकूमत में दुश्मन व गैर को भी इंसाफ के साथ रोटी कपड़ा और मकान मिला उसे अली इब्ने अबी तालिब कहते है। लोगों में सिर्फ बुराई ढूँढने वाला दुनिया व आखेरत दोनो में जलील होता है। आखिर में असीराने करबला के मसायब पेश किए जिसे सुनकर सभी रो दिये। मजलिस का आगाज तिलावत ए कलाम ए पाक से हुआ।

सरयू नदी का जलस्तर खतरे के निशान 38 सेमी ऊपर

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। पूर्वी उत्तर प्रदेश और पहाड़ों पर हुई मुसलाधार बारिश के चलते अयोध्या समेत 10 जिलों में बाढ़ की स्थिति बन गई है। कतार्नेया घाट रेंज के गिरिजा बैराज से शुक्रवार, शनिवार और रविवार रात को 53 लाख क्यूसिव पानी छोड़े जाने के कारण यह स्थित बनी है। जिसके चलते जलस्तर खतरे के निशान से 38 सेमी ऊपर बह रही है। जलस्तर में प्रतिघंटो एक सेमी का इजाफा हो रहा है।

गिरिजा बैराज से शुक्रवार शाम को 17 लाख क्यूसेक और शनिवार रात 28 लाख क्यूसेक और रविवार से सोमवार सुबह तक 8 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद सरयू (घाघरा) के जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। रविवार सुबह को ही जलस्तर खतरे के निशान को पार लिया था। शनिवार शाम को सरयू का जलस्तर खतरे के निशान के पास पहुंच गया। केंद्रीय जल आयोग अयोध्या प्रभारी अमन चौधरी ने बताया कि अयोध्या में जलस्तर प्रतिसेमी एक मिमी बढ़ रहा है। सोमवार सुबह नौ बजे जलस्तर 93.110 सेमी पहुंच गया है। जो खतरे के निशान से 38 सेमी ऊपर बह रही है। सरयू के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए केंद्रीय जल आयोग की टीमों ने जिला प्रशासन को अवगत करते हुए अलर्ट जारी कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि जिला प्रशासन और बाढ़ ग्रस्त इलाकों में लोगों के बचाव व राहत के कार्य के लिए इंतजाम शुरू करेंगे। गिरिजा बैराज से पानी छोड़े जाने के बाद अयोध्या, लखमीपुर, श्रावस्ती, गोंडा, बलरामपुर, बस्ती, आजमगढ़, अंबेडकरनगर, संतकबीरनगर, सीतापुर सरयू के तटवर्ती जनपदों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। केंद्रीय जल आयोग के अधिकारियों के अनुसार यदि स्थित यहीं रही तो इन जनपदों के तटवर्ती क्षेत्रों में बाढ़ का पानी आज रात से ही घुसने लगेगा। अयोध्या केंद्रीय जल आयोग के प्रभारी अमन चौधरी ने बताया कि सरयू नदी के जलस्तर में जिस तरह से बढ़ोतरी हो रही है। उससे यह अनुमान लगया जा सकता है कि यह आंकड़ा आगमी 24 घंटो में 93 सेमी के आंकड़े को पार कर सकता है। अधिकारी ने बताया कि इससे पहले सितंबर माह में 2018 में जलस्तर 93.380 और 2021 में 93.260 पहुंचा था। 2020 में जलस्तर 93.407 तक पहुंच गया था।

विकराल रूप धारण कर रही घाघरा में समा रहे गांव

गोण्डा। घाघरा नदी के बढ़ते जलस्तर ने धीरे–धीरे अब अपना विकराल रूप धारण करना शुरू कर दिया है। जैसे–जैसे नदी का जलस्तर बढ़ता जा रहा है वैसे–वैसे बाढ़ से प्रभावित गांव में भी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। विभिन्न बैराजों से लगातार छोड़े जा रहे पानी के चलते घाघरा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से 0.78 मीटर ऊपर पहुंच चुका है जिसमें कर्नलगंज क्षेत्र के एक गांव के पांच मजरे को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। जिसके कारण गांव में भयंकर तरीके से बाढ़ की स्थिति बन चुकी है। जिसको लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने ग्रामीण क्षेत्र का दौरा करना शुरू कर दिया है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।